राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

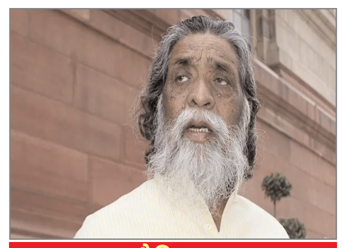

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, रविवार, 12 अप्रैल 2026

वर्ष 14, अंक 351, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

एलडीए की बड़ी कार्रवाई, 6 अवैध निर्माण किए सील; ध्वस्त...03

रेत माफियाओं का बड़ा खेल उजागरः जनता से खुली लूट...04

राम मंदिर, 370 और अब UCC... राज्यों के जरिए ऐसे आगे बढ़ रही BJP की रणनीति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बीजेपी ने पश्चिम बंगाल में सत्ता में आने पर समान नागरिक संहिता (UCC) लागू करने का वादा किया है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ये ऐलान शुक्रवार को कोलकाता में पार्टी का घोषणापत्र जारी करते वक्त किया. मौजूदा चुनावी राज्यों में असम के बाद पश्चिम बंगाल दूसरा राज्य है, जहां बीजेपी ने यह वादा किया है. वैसे ये पहली बार नहीं है जब बीजेपी ने किसी चुनावी राज्य में UCC लागू करने का वादा किया हो. बीजेपी राष्ट्रीय स्तर पर भी लंबे समय से एक समान कानून लाने की बात करती रही है पर ये अभी तक परवान चढ़ नहीं सका. पीएम मोदी ने भी हाल ही में पार्टी के स्थापना दिवस पर सेक्युलर सिविल कोड की बात की, जो भेदभाव को खत्म करेगा और संविधान की भावना को मजबूत करेगा. बीजेपी के लिए समान नागरिक संहिता (UCC) की कहानी दशकों लंबी वैचारिक प्रतिबद्धता और गठबंधन की राजनीति की असलियत या मजबूरी की कहानी रही है. बीजेपी के लिए तीन अहम वैचारिक मुद्दों में अनुच्छेद 370 को हटाने और राम मंदिर के साथ ही समान नागरिक संहिता भी रहा है।

भाजपा की दशकों पुरानी वैचारिक प्रतिबद्धता

मोदी सरकार में बीजेपी ने राम मंदिर और अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण जैसे दो प्रमुख वैचारिक वादों को पूरा किया है, लेकिन समान नागरिक संहिता लागू करने का तीसरा वादा अभी तक राष्ट्रीय स्तर पर पूरा नहीं हो सका है. यही कारण है कि पार्टी ने इसे राज्य दर राज्य आगे बढ़ाने का फैसला किया है. हालांकि बीजेपी के चुनाव दर चुनाव घोषणापत्र के इतिहास को खंगाले तो पता चलता है कि एक राष्ट्र, एक कानून यानि ष्ष्ट तक पहुंचने का रास्ता सीधा नहीं रहा है. बीजेपी के UCC को लेकर यात्रा की शुरुआत 1980 के दशक में हुई. भारतीय जनसंघ के रास्ते पर आगे बढते हुए बीजेपी ने UCC को अनुच्छेद 44 के तहत एक संवैधानिक दायित्व के रूप में पेश किया, पर जहां 1996 के बीजेपी के घोषणापत्र में UCCशामिल था, पर

1998 और 1999 के घोषणापत्रों में यह नदारद था. वजह थी गठबंधन की मजबूरी।

गठबंधन की राजनीति का UCC पर प्रभाव

अटल बिहारी वाजपेयी ने 1998 में 20 से ज्यादा क्षेत्रीय की अगुवाई वाली सरकार का नेतृत्व किया पर गठबंधन में शामिल समता पार्टी और टीडीपी के चलत UCC के वादे को ठंडे बस्ते में डाल दिया. हालांकि फिर यूपीए सरकार में विपक्ष में रहते हुई पार्टी न UCC को समय समय पर उठाया. फिर 2014, 2019 और 2024 के चुनावी घोषणापत्र में बीजेपी ने UCC को पूरी तरजीह दी, लेकिन 2024 में मोदी सरकार का बहुमत नाजुक स्थिति में है और फिर वही पुराने सहयोगी नीतीश कुमार और टीडीपी साथ है, जिनके चलते कभी UCC के वादे को पीछे रखना पड़ा था. चंद्रबाबू नायडु को आंध्रप्रदेश में तो नीतीश कुमार को बिहार में मुस्लिम वोटरों का समर्थन मिलता रहा है. लिहाजा UCC को लेकर वो सतर्क थे. यही वजह है कि इन दोनों ही दलों ने UCC पर आगे बढने से पहले व्यापक चर्चा और विचार विमर्श की वकालत की.

राज्यों के रास्ते UCC की राष्ट्रीय राह

जिसके बाद बीजेपी ने एक नया रास्ता निकाला जो राज्यों के जरिए आता था यानि कि UCC को बीजेपी शासित राज्य सरकार के जरिए आगे बढाया जाए.2025 की जनवरी में उत्तराखंड UCC लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया. वहीं, उसके लगभग एक साल बाद मार्च 2026 मे गुजरातने भी सख्त समान नागरिक संहिता कानून पारित कर दिया. इस बार के असम विधानसभा चुनाव के अपने घोषणापत्र में बीजेपी ने सरकार बनने के तीन महीने के भीतर UCC लागू करने का वादा किया है. अगले साल होने वाले यूपी विधानसभा के चुनावी घोषणापत्र मे भी UCC का वादा रहेगा. मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस साल दिवाली तक राज्य में UCC कानून लागू करने का टार्गेट रखा है. केंद्र स्तर पर गठबंधन की मजबूरियों के बीच बीजेपी अपनी राज्य सरकारों के मार्फ़त रणनीतिक तरीके से यूसीसी को लेकर आगे बढ़ रही है. ताकि राज्यों के रास्ते ही सही देर सबेर राष्ट्रीय स्तर पर भी UCC एक हकीकत बन सके।

विधायक पूजा पाल का समाजवादी पार्टी पर गंभीर आरोप, कौशांबी में पाल समाज की बेटी के साथ दुष्कर्म से आहत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। कौशांबी के चायल से विधायक पूजा पाल ने शनिवार को गंभीर आरोप लगाकर समाजवादी पार्टी पर बड़ा हमला बोला है। एक वीडियो संदेश जारी कर पूजा पाल ने आरोप लगाया है कि कौशांबी में पाल समाज की एक बेटी के साथ दुष्कर्म में सपा-समर्थित गुंडों का हाथ है। समाजवादी पार्टी से निष्कासित विधायक पूजा पाल ने कहा कि कौशांबी में सपा के गुंडों ने पाल समाज की बेटी के साथ दुष्कर्म किया है। उस बेटी का एकमात्र 'अपराध' यही है कि वह अखिलेश यादव की जाति की नहीं है। उन्होंने प्रशासन से अपील की कि पाल समाज की बेटी को जल्द से जल्द न्याय मिले। पूजा पाल ने कहा कि उन्होंने पूरी जिंदगी पाल समाज की लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ती रहेंगी। इन सफेदपोश गुंडों के सामने न तब झुकी थी और न अब झुकूंगी। विधायक ने कहा कि प्रदेश में सपा समर्थक अपराधियों ने आतंक मचाना शुरू कर दिया है। 2027 का चुनाव जैसे नजदीक आ रहा है सपा के गुंडों का आतंक बढ़ता जा रहा है। चुनाव से पहले सपा के गुंडे प्रदेश में लोगों को धमका रहे हैं,ओबीसी समाज सहित सभी लोगों को प्रताड़ित कर रहे हैं।

चुनाव नजदीक आते ही सपाई गुंडों के हमले तेज

पूजा पाल ने घटना को बेहद निंदनीय बताते हुए कहा कि आरोपियों को सपा का पूरा संरक्षण प्राप्त है। जैसे-जैसे 2027 का चुनाव नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे सपाई गुंडे ओबीसी समाज की विभिन्न जातियों पर हमले तेज कर रहे हैं। आरोप लगाया कि पूरे प्रदेश में सपा समर्थक अपराधी आतंक मचा रहे हैं। यही है सपा का 'ल्यारी राज'। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने इस गैंग को छूट दे रखी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ

पूजा पाल ने कहा कि मैं इन सपाई गुंडों के सामने न झुकी थी,न ही अब झुकूंगी। विधायक पूजा पाल पूर्व विधायक राजू पाल की पत्नी हैं। अतीक अहम ने राजू पाल की हत्या की थी। समाजवादी पार्टी से निकाले जाने के बाद से पूजा पाल भाजपा के पक्ष में लगातार बयान दे रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि यूपी का यह सौभाग्य है और सपा गिरोह का दुर्भाग्य कि हमारे राज्य में एक धुरंधर मुख्यमंत्री है। बाराबंकी में सपा कार्यकर्ताओं ने सेना के जवान को पीटा तो पूजा पाल ने कहा कि हाल ही में लालापुर गांव में पाल समाज की माताओं-बहनों के घरों में घुसकर मारपीट की गई। वहीं बाराबंकी में सेना के जवान को सपा कार्यकर्ताओं ने सरेआम पीटा। उन्होंने इसे 'सपा का लाठी राज' बताते हुए कहा कि चुनाव से पहले सपा के गुंडे पूरे यूपी में लोगों को धमका रहे हैं और ओबीसी समाज को प्रताड़ित कर रहे हैं। इन सफेदपोश गुंडों के सामने न तब झुकी थी, न अब झुकूंगी पूजा पाल ने अखिलेश यादव पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने सपाई गुंडों को पूरी छूट दे रखी है और उनका मौन समर्थन जारी है।

संक्षिप्त ख़बरें

पूर्णियाः प्रेमी से विवाद के बाद युवती ने नदी में लगाई छलांग, ई-रिक्शा चालक ने ऐसे बचाई जान

बिहार के पूर्णिया जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां कम उम्र का प्रेम प्रसंग एक युवती के लिए जानलेवा साबित होते-होते बच गया. बॉयफ्रेंड से हुए विवाद के बाद युवती ने आत्मघाती कदम उठाते हुए पुल से नदी में छलांग लगा दी. घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया. लोगों की भारी भीड़ पुल पर जमा हो गई. इस बीच एक शख्स की हिम्मत ने युवती की जान समय रहते बचा ली. घटना सदर थाना क्षेत्र के कप्तान पुल के पास की है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवती ई-रिक्शा से उतरकर सीधे सौरा नदी में कूद गई. देखते ही देखते मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई. हैरानी की बात यह रही कि अधिकांश लोग घटना का वीडियो बनाने में व्यस्त रहे, लेकिन किसी ने युवती को बचाने की कोशिश नहीं की. इसी बीच एक ई-रिक्शा चालक ने साहस का परिचय देते हुए मानवता की मिसाल पेश की।

ई-रिक्शा चालक ने बचाई युवती की जान

लाइन बाजार छोटी मस्जिद निवासी पिंटू आलम ने बिना देर किए नदी में छलांग लगा दी और कुछ ही मिनटों में डूब रही युवती को सुरक्षित बाहर निकाल लिया. बताया जा रहा है कि युवती पूर्णिया सिटी की रहने वाली है और वह एक युवक के साथ कला भवन के पास आई थी. किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद युवती रोते हुए ई-रिक्शा से कप्तान पुल पहुंची. पुल के बीच में रिक्शा रुकवाकर उसने चालक को पैसे दिए और बिना कुछ बताए रेलिंग पर चढ़कर नदी में कूद गई।

युवती को साथ ले गई पुलिस

घटना के बाद युवती सदमे में थी और कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं थी. सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और युवती को अपने साथ ले गई. यह घटना जहां एक तरफ वीडियो बना रहे संवेदनहीन लोगों की उजागर करती हैं, तो वहीं मदद के लिए आगे आए पिंटू आलम ने इंसानियत की मिसाल पेश की है।

किसानों को समर्पित 'उन्नत कृषि महोत्सव 2026', एमपी को हॉर्टिकल्चर हब बनाने का संकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मध्यप्रदेश के अन्नदाता के लिए 11 अप्रैल का दिन बेहद खास रहा. उन्हें बीज से बाजार तक का रास्ता दिखाया गया. उनकी जानकारी के लिए बीज, उर्वरक, उद्यान, सिंचाई प्रबंधन, बैंक से संबंधित समस्याओं का हल, मशीनों का प्रदर्शन किया गया. किसानों को कई तरह के स्टॉल द्वारा किसानी के कई पहलुओं की जानकारी दी गई. कार्यक्रम में किसानों के लिए 'ई-फॉर्म्स' एप भी लॉन्च किया गया।

मौका था रायसेन के दशहरा मैदान पर आयोजित 'उन्नत कृषि महोत्सवका कार्यक्रम में कई योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किया गया. उन्नत कृषि महोत्सव 13 अप्रैल तक आयोजित किया जाएगा. कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ-साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित कई जन-प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

खेत में किसान, सीमा पर जवान

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया में भारत की अलग छवि बन रही है. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हाथों मध्य प्रदेश में बीईएमएल के पहले रेल कारखाने का भूमिपूजन हुआ है. वे मध्यप्रदेश के लिए शुभंकर हैं. केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में देश कृषि क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है. खेत में किसान और सीमा पर जवान हमारे लिए दोनों बराबर सम्मान रखते हैं. रक्षा मंत्री सिंह की उपस्थिति में यह आयोजन दोनों की गरिमा बढ़ाने वाला है. देश की सीमाएं सुरक्षित हैं. उन्होंने कहा कि इस वर्ष प्रति क्विंटल 40 रुपए का बोनस देकर किसानों को 2625 रुपए मूल्य पर गेहूं खरीदा जा रहा है. प्रदेश में सिंचाई का रकबा भी बढ़ा है. उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसानों को अब दिन में भी सिंचाई के

लिए बिजली मिल रही है. प्रधानमंत्री मोदी ने गरीब, किसान, युवा और नारी के कल्याण के लिए योजनाओं की शुरुआत की है. राज्य सरकार ने इस वर्ष को किसान कल्याण वर्ष घोषित किया है. रायसेन में उन्नत कृषि महोत्सव का आयोजन किसान भाइयों के लिए अद्भुत है. प्रदेश में विकास का कारवां निरंतर जारी रखने के लिए हमारी सरकार कृत संकल्पित है।

लाभकारी सिद्ध होगा यह महोत्सव

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि रायसेन की धरती पर उन्नत कृषि महोत्सव किसानों की तकदीर बदलने के लिए लाभकारी सिद्ध होगा. यह कृषि महोत्सव में किसानों को सरकारी योजनाओं के साथ बिचौलियों से मुक्त बाजार सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां दी जाएंगी. मध्य प्रदेश विकास के पथ पर लगातार आगे बढ़ रहा है. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लगन के साथ प्रदेश को आगे बढ़ा रहे हैं. उन्होंने देश के हृदय प्रदेश को एक अलग पहचान दी है. प्रदेश के किसान देश की ताकत हैं, आप सभी हर थाली में अन्न उपलब्ध कराते हैं. किसान हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं. उन्होंने कहा कि खेती एक चुनौतीपूर्ण कार्य है. भारत सरकार ने किसान भाइयों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिए हैं. किसान भाई पता लगा पा रहे हैं कि कौन सी फसल ली जा सकती है और कितना खाद डालना है. हमारी सरकार ने फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाया है. किसानों के कल्याण के लिए धन की कमी कभी आड़े नहीं आएगी।

हॉर्टिकल्चर का हब बनाने का मिशन

कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार वर्ष-2026 को कृषि कल्याण वर्ष के रूप में मना रही है. आज रायसेन की इस पवित्र धरा पर ज्ञान-विज्ञान-अनुसंधान-किसान का महासंगम हो रहा है. किसान सबसे बड़ा वैज्ञानिक होता है, लेकिन आधुनिक तकनीक और कृषि पद्धतियों को सीखने-समझने का अवसर मिलेगा. विकसित कृषि बिना, किसान की आय बढ़ाए बिना देश का विकास नहीं हो सकता. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसान के विकास का एक महायज्ञ चल रहा है. किसानों की आय बढ़ाने और देश की खाद्य सुरक्षा सुनश्चित करने का है. यहां टॉप वैज्ञानिक आएं हैं, प्रगतिशील किसान आए हैं. यहां 20 विषयों पर चर्चा होगी और एंटीग्रेटेड और फायदे की खेती पर बात होगी. उन्होंने कहा कि हम हर राज्य का कृषि रोडमैप बना रहे हैं, कई राज्यों में शुरुआत कर दी है. हम इस क्षेत्र को हॉर्टिकल्चर का हब बनाना चाहते हैं, खेती से लेकर फूड प्रोसेसिंग तक के प्रयास कर रहे हैं. भारत सरकार ने मध्य प्रदेश में 55 दाल मिलें खोलने का फैसला किया है. भारत सरकार दलहन को एमएसपी पर खरीदेगी।

UP-SIR में सबसे कम वोट वाली सीटों पर भी चली बड़ी कैंची, जानें चुनाव पर क्या पड़ेगा इम्पैक्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

UP-SIR में सबसे कम वोट वाली सीटों पर भी चली बड़ी कैंची चली है. SIR के बाद कम वोट और मार्जिन वाली सीटों पर भी 21 हजार से 72 हजार तक वोट कट गए है. ऐसे में 1000 से कम मार्जिन वाले छोटी सीटों पर सपा-भाजपा-आरएलडी सावधान हो जाएं. पंद्रह ऐसी सीटें जिन पर जीत का अंतर 1000 से कम रहा, वहां SIR का कितना प्रभाव पड़ेगा? आइए जानते हैं. इनमें से 6 सीटें BJP, 2 सीटें RLD और 7 सीटों पर समाजवादी पार्टी को 2022 में जीत मिली थी.अब बात उन सीटों की करते हैं जहां जीत-हार का मार्जिन बेहद कम रहा, 1000 से भी कम वोटों से कुल 15 सीटों पर फैसला हुआ था. इन कम मार्जिन वाली सीटों पर भी SIR की मार भर के पड़ी है. इन सीटों पर 21,000 से 72000 तक वोट कम हो गए हैं.जानें उस सीटों के हाल, जहां कटे वोटरों के नाम शुरुआत करते हैं धामपुर विधानसभा से जहां बीजेपी के अशोक राणा महज 203 वोटों से चुनाव जीतने में सफल रहे थे. इस सीट पर समाजवादी पार्टी के नईम-उल-हसन दूसरे स्थान पर रहे थे. SIR के बाद इस सीट पर 29821 वोट कम हो गए हैं. यह कुल वोट का लगभग 14.54% है. कुर्सी विधानसभा सीट, जहां 2022 में बीजेपी प्रत्याशी 217 वोट से जीतने में कामयाब रहे थे, वहां अब 34925 वोट कट गए हैं. मतलब कुल वोट का 12.1%. इस सीट पर जीत का अंतर 0.08% रहा था. ऐसे में विजेता की चिंता बढ़ना लाजमी है कि कहीं उसी के मतदाता न कम हो गए हों. चांदपुर विधानसभा सीट पर समाजवादी पार्टी 234 वोटों से जीती थी. इस सीट पर कुल 2,24,374 वोट थे. जीत का मार्जिन 0.10% था. अब यहां 28496 वोट कट चुके हैं. मतलब 12.7% वोट लिस्ट से आउट. ऐसे ही नहतौर में मार्जिन 258 था. प्रतिशत अंतर 0.13% था. यहां 11.6% वोट कम हुए हैं. कुल 23,359 वोट SIR के बाद कट गए हैं. यहां से BJP ने 2022 में जीत दर्ज की है. पांचवे नंबर पर राम नगर विधानसभा है, जहां सपा की जीत हुई थी महज 261 वोटों से. वहां से अब 37709 वोट कम हो गए हैं. 0.11% से जीत हार वाली सीट पर अब 16% से ज्यादा वोट कम हुए हैं।

छोटे विधानसभा पर चली बड़ी कैंची

इसौली, बिलासपुर, बरौत, नाकुर, कटरा, दिबियापुर, शाहगंज, डोमरियागंज, मुरादाबाद नगर और जसराना ये तमाम वो विधानसभा सीटें हैं, जो मतदाता संख्या के हिसाब से भी छोटे हैं. इनमें सबसे ज्यादा वोट मुरादाबाद नगर में 321,704 थे जो SIR के बाद घट कर 2,49,216 रह गए हैं. छोटी विधानसभा सीटों की बात करें तो मुरादाबाद नगर में सबसे ज्यादा 22.53% वोट कटे हैं. वोटों के लिहाज से सबसे छोटी विधानसभा कटरा है, जहां 2022 विधानसभा चुनाव में 194967 वोट थे. SIR के बाद यहां 58270 वोट और कम हो गए. यहां लगभग 30% वोट कटे हैं. अब इस सीट पर मतदाताओं की संख्या 1,36,697 मात्र रह गई. पिछले विधानसभा चुनाव में यहाँ जीत का अंतर महज 357 वोटों का था. पंद्रह छोटी विधानसभाएं जहां जीत का अंतर एक 1000 से कम रहा, उन सीटों पर SIR का प्रभाव ये रहेगा कि यहां लड़ाई अब और मुश्किल हो जाएगी. साथ ही हार जीत का अंतर भी बेहद कम रह सकता है. हालाँकि बड़ा सवाल ये है कि कटे हुए वोटों में ज्यादा किस पार्टी के वोटर्स थे? इन पंद्रह सीटों में फिलहाल बीजेपी के पास 6, सपा के पास 7 और RLD के पास दो सीटें हैं।

योगी आदित्यनाथ सरकार में निगम, आयोग व बोर्ड के मुखिया की होगी ताजपोशी, शीघ्र होगा मंत्रिमंडल विस्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधान सभा चुनाव को लेकर संगठन के विस्तार में जुटी भाजपा उत्तर प्रदेश में इस सप्ताह कई बड़े निर्णय लेगी। नई दिल्ली में दो दिन पहले भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के साथ बैठक करने के बाद प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी एवं प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने फाइलों के साथ शनिवार शाम सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। अब माना जा रहा है कि निगम, आयोग एवं बोर्ड के रिक्त पदों को भरने के साथ ही मंत्रिमंडल विस्तार पर पार्टी अंतिम फैसला लेने जा रही है।

2802 सभासदों का मनोनयन

पिछले माह प्रदेश संगठन ने सरकार के माध्यम से 2802 सभासदों का मनोनयन करवाकर बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को साधा। चुनावी वर्ष में पार्टी को कई फ्रंट पर मुकाबला करना होगा। ऐसे में समाजवादी पार्टी के पीडीए की काट के लिए भाजपा संगठन में बड़ी संख्या में ओबीसी व अनुसूचित चेहरों को स्थान दे सकती। वहीं

निगम, आयोग एवं बोर्ड में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को पद देकर उन्हें चुनावी रूप से रिचार्ज किया जा सकता है।

जातीय एवं क्षेत्रीय तार कसने का प्रयास

मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर पार्टी में कई दौर का मंथन हो चुका है। कई अंतर्विरोधों एवं चेहरों की खराब छवि के बावजूद पार्टी उन्हें मंत्रिमंडल से हटाने से बचेगी। नए चेहरों के जरिए जातीय एवं क्षेत्रीय तार कसने का प्रयास होगा। दिल्ली में बैठक के बाद अगले दिन शनिवार को लखनऊ पहुंचकर पंकज चौधरी एवं धर्मपाल सिंह के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने से साफ है कि संगठन और सरकार के बीच किसी बड़े निर्णय को लेकर सहमति बन रही है।

लखनऊ में रहेंगे विनोद तावड़े

मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा इसलिए भी तेज हुई है क्योंकि रविवार को राष्ट्रीय महामंत्री एवं यूपी के चुनाव प्रभारी रहे विनोद तावड़े लखनऊ में रहेंगे। माना जा रहा है कि तावड़े पर्यवेक्षक की भूमिका में सरकार एवं संगठन से संवाद कर चुनिंदा नामों को मंत्रिमंडल के लिए लिफाफे में बंद करेंगे। वह सीएम योगी आदित्यनाथ से भी मिलेंगे। इसके बाद दिल्ली से अंतिम मुहर लग सकती है।

एक ब्राह्मण व एक अनुसूचित जाति का शामिल होना तय

योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल में एक ब्राह्मण और एक अनुसूचित जाति के चेहरे का शामिल होना तय माना जा रहा है। उधर, छह क्षेत्रीय अध्यक्षों के साथ ही प्रदेश इकाई की 45 सदस्यीय टीम बननी है। चुनावी वर्ष में युवा मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष भी कई पहलुओं पर ध्यान रखकर बनाया जाना है। एक तिहाई पदों पर महिलाओं की भागीदारी पर सबकी नजर होगी।

कानपुर में दो सगे भाइयों के घर चोरी, एक घर से बकरा तो दूसरे से नकदी व जेवर चुराए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घाटमपुर(कानपुर)। साढ़ थाना क्षेत्र के गौरी नर्वल ग्राम पंचायत के मजरा मोहम्मदपुर गांव में शुक्रवार रात चोरों ने दो सगे भाइयों के घर को निशाना बनाया। दोनों के घरों पर ताला लगा हुआ था। शनिवार भोर पहर लौटने पर चोरी की जानकारी हुई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। गांव निवासी इमामुद्दीन ने बताया कि शुक्रवार रात वह परिवार समेत जहानाबाद में कव्वाली देखने गये थे। पड़ोस में रहने वाले भाई फारुख भी गए थे। रात में चोरों ने दोनों घरों का ताला तोड़कर सामान चोरी कर लिया।

इमामुद्दीन के मुताबिक उनके घर से बकरा और भाई के घर से बीस हजार रुपये व दो जोड़ी तोड़ियां, एक जोड़ी टप्स, एक मंगलसूत्र ले गए। बताया कि उनका घर गांव के किनारे सड़क पर बना हुआ है। इसलिए किसीको जानकारी नहीं हो सकी। भोरपहर जहानाबाद से लौटने के बाद ताला टूटा देखकर चोरी की जानकारी हुई। सूचना पाकर पुलिस जांच करने पहुंची। इंस्पेक्टर अवनीश कुमार सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है।

महात्मा फुले: सामाजिक क्रांति के अग्रदूत

महात्मा ज्योतिराव फुले भारतीय समाज सुधार के इतिहास में एक ऐसे युगप्रवर्तक के रूप में प्रतिष्ठित हैं, जिन्होंने उस समय सामाजिक परिवर्तन की मशाल जलाई जब समाज गहरी रूढ़ियों, जातिगत विभाजन और स्त्री-वंचना के अंधकार में डूबा हुआ था। उनका जन्म 11 अप्रैल 1827 को महाराष्ट्र के पुणे में एक साधारण माली परिवार में हुआ। उनका पूरा नाम ज्योतिराव गोविंदराव फुले था। उनके पिता गोविंदराव फूलों का व्यापार करते थे, इसी कारण उनके परिवार को 'फुले' नाम से जाना जाने लगा। बचपन से ही उन्होंने जाति आधारित भेदभाव और अपमान का सामना किया, जिसने उनके भीतर अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने की तीव्र चेतना जागृत की।

ज्योतिराव फुले का जीवन केवल व्यक्तिगत संघर्ष की कहानी नहीं है, बल्कि वह उस सामाजिक क्रांति की कथा है जिसने भारत में समानता, शिक्षा और मानव अधिकारों की नई दिशा निर्धारित की। प्रारंभिक शिक्षा के लिए उन्हें स्कॉटिश मिशन विद्यालय में प्रवेश मिला, जहाँ उन्हें स्वतंत्र चिंतन, समानता और मानवता के विचारों से परिचित होने का अवसर मिला। यही शिक्षा उनके जीवन का निर्णायक मोड़ बनी और उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाने का संकल्प लिया। उनकी जीवन यात्रा में उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। सावित्रीबाई स्वयं उस समय की सामाजिक व्यवस्था की पीड़ित थीं, जहाँ स्त्रियों को शिक्षा से वंचित रखा जाता था। ज्योतिराव ने उन्हें शिक्षित किया और आगे चलकर दोनों ने मिलकर समाज सुधार का ऐसा कार्य आरंभ किया, जिसने इतिहास में अमिट छाप छोड़ी। 1848 में उन्होंने पुणे में भारत का पहला कन्या विद्यालय स्थापित किया, जो उस समय एक क्रांतिकारी कदम था, क्योंकि उस दौर में स्त्रियों और निम्न वर्गों के लिए शिक्षा की कल्पना भी नहीं की जाती थी।

इस विद्यालय की स्थापना केवल एक शैक्षिक प्रयास नहीं थी, बल्कि यह सामाजिक व्यवस्था के विरुद्ध एक खुली चुनौती थी। समाज के रूढ़िवादी वर्गों ने इसका तीव्र विरोध किया। सावित्रीबाई जब विद्यालय जाती थीं, तो उन पर पत्थर, कीचड़ और गोबर तक फेंका जाता था, फिर भी उन्होंने अपने कार्य को नहीं छोड़ा। यह संघर्ष दर्शाता है कि फुले दंपत्ति केवल विचारक ही नहीं, बल्कि साहसी कर्मयोगी भी थे।

ज्योतिराव फुले ने समाज में व्याप्त जाति व्यवस्था को मानवता के विरुद्ध बताया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि जाति के आधार पर मनुष्य का मूल्यांकन अन्यायपूर्ण है। 1873 में उन्होंने 'सत्यशोधक समाज' की स्थापना की, जिसका उद्देश्य शूद्रों, अतिशूद्रों और स्त्रियों को सामाजिक अन्याय से मुक्त करना था। इस संस्था ने धार्मिक आडंबरों और ब्राह्मणवादी वर्चस्व को चुनौती दी तथा समाज में समानता और आत्मसम्मान की भावना को जागृत किया। फुले ने केवल शिक्षा और संगठन के माध्यम से ही नहीं, बल्कि अपने लेखन के द्वारा भी समाज को जागृत किया। उनकी प्रसिद्ध कृति 'गुलामगिरी' में उन्होंने जाति व्यवस्था की तीखी आलोचना की और यह बताया कि किस प्रकार सामाजिक ढांचे ने एक बड़े वर्ग को मानसिक और सामाजिक दासता में जकड़ रखा है। उनका लेखन केवल आलोचना नहीं था, बल्कि वह एक वैचारिक क्रांति का आह्वान था।

उन्होंने विधवाओं और अनाथों के लिए आश्रय स्थल स्थापित किए, जहाँ उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर मिल सके। उस समय विधवाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय थी, उन्हें समाज से बहिष्कृत कर दिया जाता था। फुले दंपत्ति ने इस अन्याय के विरुद्ध खड़े होकर उन्हें संरक्षण और सम्मान दिया। उन्होंने बाल हत्या को रोकने के लिए भी महत्वपूर्ण कदम उठाए और समाज को मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा दी। ज्योतिराव फुले का सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने समाज के सबसे वंचित वर्गों को यह विश्वास दिलाया कि वे भी सम्मान और अधिकार के साथ जीवन जी सकते हैं। उन्होंने अपने घर का कुआँ सभी जातियों के लिए खोल दिया, जो उस समय एक अत्यंत साहसिक कदम था। यह कार्य केवल प्रतीकात्मक नहीं था, बल्कि यह सामाजिक समानता का वास्तविक उदाहरण था। उनकी विचारधारा ने आगे चलकर अनेक समाज सुधार आंदोलनों को प्रेरित किया। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने उन्हें अपने प्रमुख प्रेरणा स्रोतों में शामिल किया और उनके विचारों को आगे बढ़ाया। फुले का यह मानना था कि शिक्षा ही वह साधन है, जिसके माध्यम से समाज में वास्तविक परिवर्तन लाया जा सकता है। उन्होंने शिक्षा को केवल ज्ञान प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक मुक्ति का उपकरण माना।

उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि सामाजिक परिवर्तन केवल विचारों से नहीं, बल्कि साहस और निरंतर प्रयास से संभव होता है। उन्होंने उस समय के समाज में व्याप्त अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया, जब इसके लिए उन्हें सामाजिक बहिष्कार और अपमान का सामना करना पड़ा। फिर भी उन्होंने अपने लक्ष्य से कभी समझौता नहीं किया। 28 नवंबर 1890 को उनका निधन हुआ, लेकिन उनके विचार आज भी जीवित हैं। उनका जीवन और कार्य आज भी उन सभी लोगों के लिए प्रेरणास्रोत है, जो समाज में समानता, न्याय और मानवता की स्थापना के लिए प्रयासरत हैं। आज जब हम आधुनिक भारत में शिक्षा, समान अधिकार और सामाजिक न्याय की बात करते हैं, तो उसके मूल में कहीं न कहीं ज्योतिराव फुले के विचार और संघर्ष मौजूद हैं। महात्मा फुले का जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्चा परिवर्तन वही है, जो समाज के सबसे कमजोर और वंचित वर्ग तक पहुंचे। उन्होंने अपने जीवन के माध्यम से यह सिद्ध किया कि एक व्यक्ति भी पूरे समाज की दिशा बदल सकता है, यदि उसके भीतर सत्य के प्रति दृढ़ निष्ठा और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने का साहस हो। उनका कार्य केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं, बल्कि एक सतत प्रेरणा है, जो आने वाली पीढ़ियों को समानता और मानवता के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

महेन्द्र तिवारी

रिकॉर्ड मतदान, बदलता भारत - लोकतंत्र अब जनता की मुट्ठी में

[बारिश, धूप और जिद — तीन प्रदेशों ने दिखा दी असली ताकत]

[असम की जिद, केरल की समझ, पुडुचेरी का उत्साह – लोकतंत्र की नई मिसाल]

कभी-कभी इतिहास शोर से नहीं, कतारों में खड़ी खामोश भीड़ के संकल्प से लिखा जाता है। 9 अप्रैल 2026 ऐसा ही दिन था। असम, केरल और पुडुचेरी में भोर से पहले ही मतदान केंद्रों के बाहर जनसैलाब उमड़ पड़ा। कहीं भीगे हाथों में छाते थे, कहीं तपती सुबह से पहले ही चेहरों पर जिद चमक रही थी। कोई कांपते कदमों और झुकी कमर के साथ पहुंचा था, तो कोई पहली बार वोट देने का उत्साह आंखों में लिए खड़ा था। चेहरे अलग थे, भाषाएं अलग थीं, परिस्थितियां अलग थीं, लेकिन सबको एक ही विश्वास जोड़ रहा था– लोकतंत्र को और मजबूत करने का विश्वास। शाम तक आंकड़ों ने बता दिया कि जनता ने केवल मतदान नहीं किया, बल्कि लोकतंत्र के पक्ष में अपना ऐतिहासिक फैसला सुना दिया।

चुनाव आयोग के अनुसार मतदान समाप्ति से एक घंटे पहले (शाम 5 बजे तक) के आंकड़े चौंकाने वाले ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र की नई ताकत का ऐलान करने वाले हैं–असम में 84.42 प्रतिशत, केरल में 75.01 प्रतिशत और पुडुचेरी में 86.92 प्रतिशत मतदान। ये केवल संख्या नहीं, बल्कि उस जागते भारत की तस्वीर हैं, जो अब राजनीति को दूर से देखना नहीं, उसे अपनी मुट्ठी में लेना चाहता है। लगभग 5.3 करोड़ मतदाताओं की इस भागीदारी ने साफ कर दिया कि जनता अब भाषणों और नारों के पीछे चलने वाली भीड़ नहीं रही। वह सवाल करती है, जवाब मांगती है और अपने वोट से बता रही है कि सत्ता का असली मालिक नागरिक है। यही वजह है कि ये चुनाव केवल तीन राज्यों की घटना नहीं, बल्कि पूरे देश के लोकतांत्रिक भविष्य की दिशा बन गए हैं।

असम में इस बार का चुनाव कई अर्थों में ऐतिहासिक रहा। 126 सीटों वाले राज्य में 84.42 प्रतिशत मतदान ने पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए। 2023 के परिसीमन के बाद बदले राजनीतिक समीकरणों के बीच यह पहला चुनाव था, इसलिए लोगों की भागीदारी भी बढ़ी। भाजपा-एनडीए, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में सत्ता बचाने में जुटा है, जबकि कांग्रेस और अन्य दल वापसी की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन सबसे बड़ी बात यह रही कि मतदाता दलों से अधिक अपने मुद्दों पर केंद्रित दिखा। भूमि अधिकार, सांस्कृतिक पहचान, सीमा सुरक्षा, बेरोजगारी और विकास जैसे सवाल मतदान को बूथ तक ले आए। डलगांव जैसे क्षेत्रों में 94 प्रतिशत से अधिक मतदान ने बता दिया कि असम अब केवल सरकार नहीं, अपना भविष्य चुन रहा है।

असम की जनता ने इस बार केवल वोट नहीं डाला, बल्कि अपनी राजनीतिक चेतना भी दिखा दी। पहचान, घुसपैठ, सीमाई तनाव और अवसरों की कमी से लंबे समय तक जूझते रहे इस राज्य ने साफ कर दिया कि अब उसे केवल वादे नहीं, ठोस जवाब चाहिए। गांवों, पहाड़ी इलाकों और सीमा से लगे क्षेत्रों में जिस तरह महिलाएं, बुजुर्ग और युवा मतदान के लिए निकले, उसने साबित कर दिया कि लोकतंत्र की ताकत शहरों तक सीमित नहीं है। असम ने यह भी दिखाया कि पूर्वोत्तर अब राष्ट्रीय राजनीति का किनारा नहीं, बल्कि उसकी दिशा तय करने वाली मजबूत आवाज बन चुका है। वहां की जनता ने बता दिया है कि लोकतंत्र सबसे मजबूत तब होता है, जब सबसे दूर बैठा नागरिक भी अपने वोट की कीमत समझने लगे।

केरल में तस्वीर अलग थी, लेकिन संदेश उतना ही मजबूत। 140 सीटों पर हुए चुनाव में 75.01 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। यह आंकड़ा असम और पुडुचेरी से कम जरूर है, लेकिन राजनीतिक रूप से बेहद जागरूक केरल में यह भागीदारी अपने आप में असाधारण है। एलडीएफ, यूडीएफ और भाजपा गठबंधन के बीच त्रिकोणीय मुकाबले ने चुनाव को और दिलचस्प बना दिया। पलक्कड़, कोझीकोड और कई जिलों में 80 प्रतिशत के आसपास मतदान हुआ। स्वास्थ्य, शिक्षा, बेरोजगारी, पर्यावरण और महंगाई जैसे मुद्दों पर जनता ने खुलकर अपनी राय दी। यहां मतदाता केवल दल नहीं देखता, बल्कि उनके काम, नीतियों और भविष्य की दिशा को भी परखता है।

केरल की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि वहां लोकतंत्र केवल प्रक्रिया नहीं, बल्कि सामाजिक संस्कृति बन चुका है। बारिश के बावजूद बूथों पर लगी लंबी कतारों ने बता दिया कि यहां का नागरिक मतदान को अधिकार से अधिक कर्तव्य मानता है। बड़ी संख्या में महिलाएं और पहली बार वोट डालने वाले युवा मतदान के लिए पहुंचे। युवाओं ने बेरोजगारी, तकनीकी शिक्षा और बेहतर अवसरों के सवाल उठाए, जबकि महिलाओं ने स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान को प्राथमिकता दी। केरल के मतदाता ने साफ कर दिया कि अब राजनीति केवल विचारधारा तक सीमित नहीं रहेगी। जनता का विश्वास उसी दल को मिलेगा, जो उसकी जरूरतों पर खरा उतरेगा।

इन चुनावों में अगर किसी ने पूरे देश को सबसे ज्यादा चौंकाया, तो वह पुडुचेरी था। केवल 9.5 लाख मतदाताओं वाले इस छोटे केंद्र शासित प्रदेश में 86.92 प्रतिशत मतदान ने लोकतंत्र की नई मिसाल कायम कर दी। 30 सीटों वाले पुडुचेरी में एनडीए, कांग्रेस-डीएमके गठबंधन और अन्य दलों के बीच मुकाबला था, लेकिन सबसे बड़ी जीत जनता की भागीदारी की रही। कराईकल, पुडुचेरी और आसपास के इलाकों में सुबह से शाम तक मतदान केंद्रों पर भीड़ उमड़ी रही। स्थानीय रोजगार, पर्यटन, बुनियादी सुविधाएं, विकास और स्वायत्तता जैसे मुद्दों ने लोगों को बूथ तक पहुंचाया। इस छोटे प्रदेश ने पूरे देश को बता दिया कि लोकतंत्र की ताकत आबादी से नहीं, नागरिकों की जागरूकता से तय होती है।

असम, केरल और पुडुचेरी के चुनावों ने भारत को एक बड़ा संदेश दिया है। चुनाव आयोग की तैयारी, कड़ी सुरक्षा, ईवीएम पर बढ़ा भरोसा, डिजिटल अभियान और सोशल मीडिया से बढ़ी जागरूकता ने मतदान को जन-आंदोलन बना दिया। लेकिन सबसे बड़ी बात यह रही कि भारत का मतदाता अब बदल चुका है। वह चुप रहने वाला नागरिक नहीं, बल्कि अपने अधिकारों और भविष्य के प्रति सजग प्रहरी बन गया है। 4 मई को नतीजे आएंगे, सरकारें बनेंगी और समीकरण बदलेंगे, लेकिन इन चुनावों की सबसे बड़ी जीत पहले ही सामने आ चुकी है। वह जीत है जनता का यह विश्वास कि उसकी उंगली पर लगी स्याही केवल निशान नहीं, लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

बाल तस्करी पर सख्ती जरूरी न्याय और जिम्मेदारी का समय

सुप्रीम कोर्ट का सख्त निर्देश

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में बच्चों की सुरक्षा केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी नहीं बल्कि नैतिक और संवैधानिक कर्तव्य भी है। हाल ही में सुप्रीम करतबने बाल तस्करी के बढ़ते मामलों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए राज्यों को सख्त और त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने स्पष्ट कहा कि वह निगरानी कर सकती है लेकिन वास्तविक कार्रवाई का दायित्व राज्य सरकारों और प्रशासनिक तंत्र पर ही है। यह टिप्पणी केवल एक कानूनी बयान नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती है।

बाल तस्करी एक जटिल और बहुआयामी अपराध है जो केवल बच्चों के अपहरण तक सीमित नहीं रहता बल्कि इसमें जबरन मजदूरी यौन शोषण भीख मंगवाना और अवैध गतिविधियों में धकेलना जैसे गंभीर अपराध शामिल होते हैं। यह समस्या केवल शहरों तक सीमित नहीं है बल्कि ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में भी तेजी से फैल रही है जहां जागरूकता की कमी और गरीबी के कारण बच्चे अधिक संवेदनशील होते हैं। अदालत ने इस बात पर भी जोर दिया कि देशभर में संगठित गिरोह सक्रिय हैं जो बच्चों को निशाना बनाते हैं और उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाकर शोषण करते हैं।

इस मुद्दे की गंभीरता को समझने के लिए यह आवश्यक है कि हम इसके मूल कारणों पर भी ध्यान दें। गरीबी बेरोजगारी अशिक्षा और सामाजिक असमानता जैसे कारक बाल तस्करी को बढ़ावा देते हैं। कई बार माता पिता आर्थिक मजबूरी के चलते बच्चों को काम पर भेजने के लिए मजबूर हो जाते हैं और यही स्थिति तस्करों के लिए अवसर बन जाती है। इसके अलावा शहरीकरण और पलायन भी एक बड़ा कारण है जहां परिवारों का सामाजिक ढांचा कमजोर पड़ जाता है और बच्चों की सुरक्षा खतरे में आ जाती है।

अदालत ने अपने अवलोकन में यह भी कहा कि कई मामलों में राज्य सरकारों की प्रतिक्रिया धीमी और असंगठित होती है जिससे अपराधियों के हौसले बढ़ते हैं। पुलिस और प्रशासन के बीच समन्वय की कमी भी एक बड़ी समस्या है। कई बार मामलों की सही जांच नहीं हो पाती और पीड़ित बच्चों को न्याय मिलने में देरी होती है। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि कानून का प्रभावी क्रियान्वयन ही इस समस्या का समाधान है और इसके लिए सभी संबंधित एजेंसियों को मिलकर काम करना होगा।

बाल तस्करी के मामलों में त्वरित कार्रवाई इसलिए भी जरूरी है क्योंकि इसमें हर पल महत्वपूर्ण होता है। जितनी देर कार्रवाई में होती है उतनी ही संभावना बढ़ जाती है कि बच्चा किसी अन्य स्थान पर ले जाया जाए या उसका शोषण किया जाए। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल नीतियां बनाना पर्याप्त नहीं है बल्कि उन्हें जमीन पर लागू करना भी उतना ही आवश्यक है। इसके लिए प्रशासनिक इच्छाशक्ति और जवाबदेही जरूरी है।

इस संदर्भ में समाज की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। केवल सरकार और अदालत पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। आम नागरिकों को भी सतर्क रहना होगा और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को देनी चाहिए। स्कूलों और समुदायों में जागरूकता अभियान चलाकर बच्चों और अभिभावकों को इस खतरे के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। इससे न केवल अपराधों की रोकथाम होगी बल्कि पीड़ितों को समय पर सहायता भी मिल सकेगी।

तकनीक का उपयोग भी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण साधन बन सकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म और डाटाबेस के माध्यम से लापता बच्चों की जानकारी को तेजी से साझा किया जा सकता है जिससे उन्हें खोजने में सहायता मिलती है। हालांकि इसके लिए डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा का भी ध्यान रखना आवश्यक है ताकि किसी प्रकार का दुरुपयोग न हो। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि यदि राज्य सरकारें अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं करती हैं तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। यह केवल कानून व्यवस्था का मुद्दा नहीं है। बल्कि मानवाधिकार का प्रश्न है। हर बच्चे को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार है और इसे सुनिश्चित करना राज्य का दायित्व है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि बाल तस्करी के खिलाफ लड़ाई केवल कानूनी या प्रशासनिक नहीं बल्कि सामाजिक और नैतिक संघर्ष भी है। इसके लिए सरकार अदालत और समाज सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। जब तक हम इस समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए सामूहिक रूप से आगे नहीं बढ़ेंगे तब तक इसका समाधान संभव नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी को एक अवसर के रूप में देखते हुए हमें ठोस कदम उठाने चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ी को एक सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य मिल सके।

कांतिलाल मांडोत

प्रसव से पहले और बाद में सुरक्षा का कवच: मातृ स्वास्थ्य का नवयुग

कस्तूरबा गांधी की विरासत: सुरक्षित मातृत्व के प्रति जागरूकता

हर माँ, हर बच्चा, हर अधिकार: सुरक्षित मातृत्व की जिम्मेदारी

जब जीवन में अनिश्चितता छा जाए, तब भी एक माँ की मुस्कान सब कुछ रोशन कर देती है। यह मुस्कान केवल सुकून नहीं, बल्कि जीवन और शक्ति का प्रतीक है। माँ जन्म को अर्थ देती है, आशा को आकार देती है और आने वाली पीढ़ी को मजबूती देती है। लेकिन जब गर्भधारण और प्रसव खतरों से भरे हों, तब यही आशा भय में बदल सकती है। इसी सच को उजागर करता है भारत में हर साल 11 अप्रैल को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस हमें याद दिलाता है कि हर गर्भवती महिला को सुरक्षित, सम्मानजनक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल मिलनी चाहिए, ताकि माँ और बच्चा दोनों स्वस्थ, सुरक्षित और खुशहाल जीवन की ओर बढ़ सकें।

यह दिन केवल एक तारीख नहीं, बल्कि हर नागरिक के लिए संकल्प और जिम्मेदारी का प्रतीक है। 11 अप्रैल इसलिए चुना गया क्योंकि यह कस्तूरबा गांधी की जन्मतिथि है – वह अद्भुत महिला जिन्होंने जीवनभर महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए संघर्ष किया। 2003 में व्हाइट रिबन एलायंस इंडिया की पहल पर भारत सरकार ने इसी दिन को राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस घोषित किया। इस दिन का संदेश साफ है – मातृ स्वास्थ्य, सुरक्षित गर्भावस्था, प्रसव और प्रसवोत्तर देखभाल के प्रति देश में सर्वव्यापी जागरूकता फैलाना और हर माँ को सम्मानजनक, सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित करना।

सुरक्षित मातृत्व का अर्थ केवल अस्पताल और डॉक्टर तक पहुँच नहीं है। यह माँ के सम्मान, सम्मानजनक देखभाल, सामाजिक समर्थन और सशक्त अधिकारों की गारंटी भी है। गर्भावस्था केवल नौ महीने का सफर नहीं, बल्कि जीवन का सुरक्षित, सम्मानजनक और स्वस्थ अनुभव होना चाहिए। दुनिया भर में हर साल लाखों महिलाएँ गर्भावस्था और प्रसव से जुड़ी जटिलताओं के कारण जीवन खो देती हैं। हालांकि भारत ने लगातार प्रयासों से मातृ मृत्यु दर में कमी लाई है, फिर भी आज भी उच्च जोखिम, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और सामाजिक बाधाएँ बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। भारत ने मातृ मृत्यु दर में वर्षों में बड़ी प्रगति की है, लेकिन यह अभी भी आवश्यक लक्ष्य तक नहीं पहुँची है। 2030 तक सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 3.1 के तहत मातृ मृत्यु दर को प्रति 1,00,000 जीवित जन्मों पर 70 से नीचे लाना है – यह स्पष्ट संकेत है कि सुधार की अभी भी बहुत गुंजाइश मौजूद है। गर्भावस्था के दौरान एनीमिया, उच्च रक्तचाप, संक्रमण, दूर-दराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और पुरानी सामाजिक मान्यताएँ मातृ स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। इन सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए केवल सरकारी योजनाएँ ही नहीं, बल्कि समाज और समुदाय की सक्रिय भागीदारी भी अनिवार्य है, ताकि हर माँ सुरक्षित और स्वस्थ मातृत्व का अनुभव प्राप्त कर सके।

राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस पर सरकार और स्वास्थ्य मंत्रालय माताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह सक्रिय रहते हैं। गर्भवती महिलाओं के लिए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान हर महीने 9 तारीख को निःशुल्क एंटीनेटल चेकअप उपलब्ध कराता है। इसके अलावा, जननी सुरक्षा योजना संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहित करती है और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। सुमन और लक्ष्य जैसी योजनाएँ गर्भावस्था, प्रसव और प्रसवोत्तर देखभाल को सुरक्षित, सम्मानजनक और प्रभावी बनाने का काम करती हैं। इन कार्यक्रमों को घर-घर पहुँचाने में आशा कार्यकर्ताओं और एएनएम बहनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक रही है।

सुरक्षित मातृत्व केवल योजनाओं तक सीमित नहीं है; यह समाज में वास्तविक बदलाव की भी मांग करता है। कई समुदायों में आज भी कम उम्र में विवाह, अपर्याप्त पोषण, पुरानी रूढ़ियाँ और महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की कमी बड़ी बाधाएँ हैं। बेटी की शिक्षा, शादी की उम्र में देरी, स्वास्थ्य की जानकारी, गर्भावस्था के जोखिमों की समझ, प्रसव के बाद पोषण और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान – ये सभी पहलू मातृत्व को सुरक्षित और सम्मानजनक बनाने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। परिवार का सहयोग, विशेषकर पति और ससुराल का समर्थन, इस पूरी प्रक्रिया को सुखद, सुरक्षित और सकारात्मक अनुभव में बदल देता है।

राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस की अहमियत केवल जानकारी तक सीमित नहीं है; यह अनुभव, संघर्ष और प्रेरक कहानियों से भी जुड़ा है। हर गाँव, कस्बा और शहर उन माताओं की कहानियों से जीवंत हो उठता है, जिन्होंने सुरक्षित देखभाल और समय पर सहायता पाकर अपने परिवारों को मजबूत बनाया। हर आशा कार्यकर्ता, डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मी जोखिमों को पहचानकर, समय पर हस्तक्षेप करके, पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान कर जीवन बदल रहे हैं। यह दिवस हमें यह याद दिलाता है कि जब ज्ञान और सहयोग सही समय पर पहुँचता है, तब हर माँ सुरक्षित, स्वस्थ और सशक्त भविष्य की ओर कदम बढ़ा सकती है।

राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस का संदेश स्पष्ट और सशक्त है – हर महिला को गर्भावस्था और प्रसव के दौरान जीवन और सुरक्षा का अधिकार है। इस दिन की गतिविधियों का उद्देश्य यही है कि समाज में जागरूकता फैलाना कि प्रत्येक माँ को सुरक्षित और सम्मानजनक स्वास्थ्य देखभाल मिले। इस वर्ष 2026 का विषय है – 'मातृ स्वास्थ्य देखभाल में समानताः किसी भी माँ को पीछे न छोड़ें' – जो हमें याद दिलाता है कि कोई भी महिला अपनी सुरक्षा और स्वास्थ्य के मामले में पीछे नहीं रह सकती, चाहे वह शहर की हो या दूरदराज के गाँव की। यह विषय हर परिवार, हर समुदाय और पूरे समाज के लिए सशक्त संदेश और जिम्मेदारी लेकर आता है।

आज राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस पर हमारा संकल्प होना चाहिए कि हर गर्भवती महिला को उच्चतम गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाएँ मिलें, हर बच्चा सुरक्षित और स्वस्थ जन्म ले, और कोई माँ अपने मातृत्व के सफर में कभी अकेली या असुरक्षित महसूस न करे। जब हर माँ गर्भावस्था की शुरुआत से अंत तक सुरक्षित, सम्मानजनक और सशक्त देखभाल प्राप्त करेगी, तभी हमारा परिवार, हमारा समाज और हमारा राष्ट्र सच्चाई में स्वस्थ, मजबूत और समृद्ध बन पाएगा। यह संकल्प केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हमारा सामूहिक दायित्व है – ताकि आने वाली पीढ़ियाँ स्वस्थ, सशक्त और उज्जवल भविष्य की ओर बढ़ सकें।

कृति आरके जैन

डिजिटल भुगतान में ठहराव का नया अध्याय सुरक्षा की दिशा में एक घंटा—विश्वास, संयम और सतर्कता का समय

डिजिटल युग ने हमारे जीवन को अभूतपूर्व गति दी है। आज मोबाइल फोन के एक स्पर्श से हम कहीं भी, कभी भी पैसे भेज सकते हैं। यह सुविधा जितनी सरल और तेज़ है, उतनी ही संवेदनशील भी बन चुकी है। पिछले कुछ वर्षों में ऑनलाइन फ्रॉड के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे आम उपभोक्ता की मेहनत की कमाई पर खतरा मंडराने लगा है। इसी पृष्ठभूमि में रिर्जव बैंक ऑफ़ इंडिया द्वारा 10,000 रुपए से अधिक के ऑनलाइन भुगतान पर एक घंटे का होल्ड लगाने का प्रस्ताव एक दूरदर्शी कदम प्रतीत होता है। यह केवल तकनीकी बदलाव नहीं, बल्कि उपभोक्ता सुरक्षा की दिशा में एक नई सोच का संकेत है। वर्तमान समय में अधिकांश डिजिटल लेन-देन तत्काल हो जाते हैं। यह सुविधा जहां समय की बचत करती है, वहीं दूसरी ओर किसी भी प्रकार की गलती या धोखाधड़ी की स्थिति में सुधार का अवसर लगभग समाप्त कर देती है। कई बार लोग जल्दबाजी, भ्रम या मानसिक दबाव में आकर पैसे ट्रांसफर कर देते हैं और बाद में पछताते हैं। ऐसे में एक घंटे का यह होल्ड एक 'सुरक्षा कवच' की तरह कार्य कर सकता है। यह समय उपयोगकर्ता को सोचने, स्थिति का मूल्यांकन करने और आवश्यकता पड़ने पर लेन-देन को रोकने का अवसर प्रदान करेगा।

इस प्रस्ताव का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह धोखाधड़ी के मनोवैज्ञानिक पहलू को कमजोर करता है। साइबर अपराधी अक्सर पीड़ित पर तत्काल निर्णय लेने का दबाव बनाते हैं—जैसे कि 'अभी पैसे भेजो, वरना नुकसान होगा' या 'आपका अकाउंट बंद हो जाएगा।' इस प्रकार के भय और जल्दबाजी के वातावरण में व्यक्ति सोचने की क्षमता खो बैठता है। लेकिन यदि लेन-देन पर एक घंटे का अनिवार्य विराम होगा, तो यह दबाव स्वतः समाप्त हो जाएगा। व्यक्ति को यह समझने का समय मिलेगा कि वह किसी धोखाधड़ी का शिकार तो नहीं हो रहा। इसके अतिरिक्त, यह व्यवस्था मानवीय त्रुटियों को सुधारने का अवसर भी देती है। कई बार लोग गलती से गलत अकाउंट नंबर डाल देते हैं या किसी अन्य व्यक्ति को पैसे भेज देते हैं। तत्काल ट्रांजैक्शन में ऐसी गलतियों को सुधारना लगभग असंभव होता है। लेकिन यदि एक घंटे का समय उपलब्ध होगा, तो उपयोगकर्ता अपनी गलती पहचान कर उसे ठीक कर सकता है। इससे न केवल आर्थिक नुकसान से बचाव होगा, बल्कि मानसिक तनाव भी कम होगा।

एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह कदम डिजिटल भुगतान प्रणाली में विश्वास को मजबूत करेगा। वर्तमान में कई लोग ऑनलाइन ट्रांजैक्शन करने से हिचकिचाते हैं, विशेषकर बुजुर्ग और ग्रामीण क्षेत्रों के लोग। उन्हें डर रहता है कि कहीं उनकी मेहनत की कमाई किसी धोखेबाज के हाथ न लग जाए। जब उन्हें यह भरोसा मिलेगा कि बड़े ट्रांजैक्शन पर एक सुरक्षा अवधि उपलब्ध है, तो उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। इससे डिजिटल भुगतान को व्यापक स्वीकृति मिलने की संभावना है। यह प्रस्ताव विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और कमजोर वर्गों के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। उम्र के साथ तकनीकी समझ में कमी आना स्वाभाविक है, और ऐसे में वे आसानी से साइबर अपराधियों के निशाने पर आ जाते हैं। एक घंटे का होल्ड उन्हें अपने परिवार या किसी भरोसेमंद व्यक्ति से सलाह लेने का समय देगा। इससे उनके साथ होने वाले फ्रॉड के मामलों में कमी आ सकती है। इसके साथ ही, 'व्हाइटलिस्ट' की सुविधा इस व्यवस्था को और अधिक व्यावहारिक बनाती है। जिन लोगों या संस्थानों पर उपयोगकर्ता को भरोसा है, उन्हें पहले से सूचीबद्ध किया जा सकता है, जिससे नियमित लेन-देन में कोई बाधा न आए। इस प्रकार, सुरक्षा और सुविधा के बीच संतुलन बनाए रखने का प्रयास स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। यह दिखाता है कि उद्देश्य केवल नियंत्रण नहीं, बल्कि सुरक्षित और सहज डिजिटल अनुभव प्रदान करना है।

'किल स्विच' का विचार भी इस पूरी व्यवस्था को और मजबूत बनाता है। यदि किसी उपयोगकर्ता को यह संदेह हो कि उसका अकाउंट खतरे में है, तो वह तुरंत अपनी डिजिटल सेवाओं को बंद कर सकता है। एक घंटे का होल्ड और किल स्विच मिलकर एक बहु-स्तरीय सुरक्षा प्रणाली तैयार करते हैं, जो आधुनिक साइबर खतरों से निपटने में प्रभावी हो सकती है। हालांकि, यह भी स्वीकार करना होगा कि इस प्रकार की देरी से कुछ असुविधाएं हो सकती हैं। आज के तेज़-रफ्तार जीवन में लोग तत्काल लेन-देन के आदी हो चुके हैं। व्यापारिक गतिविधियों में भी त्वरित भुगतान की आवश्यकता होती है। लेकिन जब हम सुविधा और सुरक्षा के बीच चयन करते हैं, तो दीर्घकालिक दृष्टिकोण से सुरक्षा को प्राथमिकता देना अधिक उचित है। थोड़ी सी असुविधा बड़े नुकसान से बचा सकती है। यह कदम डिजिटल संस्कृति में एक सकारात्मक बदलाव भी ला सकता है। यह हमें सिखाता है कि हर निर्णय तुरंत लेना आवश्यक नहीं होता। कभी-कभी ठहराव भी जरूरी होता है। एक घंटे का यह विराम केवल तकनीकी प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक मानसिक अभ्यास भी है—संयम, सतर्कता और जिम्मेदारी का अभ्यास। यह हमें डिजिटल दुनिया में भी विवेकपूर्ण निर्णय लेने के लिए प्रेरित करता है। अंततः, रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया का यह प्रस्ताव केवल एक नियम नहीं, बल्कि एक सुरक्षा दर्शन है। यह हमें यह समझाने का प्रयास करता है कि प्रगति का अर्थ केवल गति नहीं, बल्कि सुरक्षित और संतुलित विकास भी है। एक घंटे की यह देरी वास्तव में हमारे आर्थिक जीवन को अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय और संतुलित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यदि इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है, तो यह न केवल फ्रॉड को कम करेगा, बल्कि डिजिटल भुगतान प्रणाली को और अधिक मजबूत और भरोसेमंद बनाएगा।

कांतिलाल मांडोत

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

विवेक सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि, छात्रों को दी भावपूर्ण विदाई

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के बाल्हेमऊ मजरे ऐहार स्थित ब्लूमिंग चाइल्ड पब्लिक स्कूल में बृहस्पतिवार को समाजसेवी विवेक सिंह की आठवीं पुण्यतिथि श्रद्धा और भावनात्मक माहौल में मनाई गई। इस अवसर पर श्रद्धांजलि सभा के साथ कक्षा पांच उत्तीर्ण छात्रों का विदाई समारोह भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कैंडल जलाकर और पुष्प अर्पित कर की गई। उपस्थित लोगों ने विवेक सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके व्यक्तित्व और समाजसेवा को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि उनका जीवन समाज के लिए समर्पण और सेवा का प्रेरणादायक उदाहरण है। इसके बाद विद्यालय के कक्षा पांच पास छात्रों को सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने मेधावी एवं प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया। शिक्षकों ने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विदाई के दौरान माहौल भावुक हो गया और छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम को विद्यालय समिति के अध्यक्ष मुकेश सिंह, डायरेक्टर स्वदेश यादव, प्रधानाचार्य भानु प्रताप यादव एवं पीआरओ दिव्यांशी तिवारी ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि विवेक सिंह की स्मृतियां सदैव प्रेरणा देती रहेंगी। इस अवसर पर ममता सिंह, जय प्रकाश श्रीवास्तव, संजय सिंह, नागेंद्र सिंह, केशव प्रसाद यादव, विजय सिंह, कौशलेंद्र सिंह, जीशान, सुरेन्द्र यादव, रिंकू त्रिपाठी, अमर सिंह, नीरज पाल और आलोक पाल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

नाली खुदाई में अंडरग्राउंड केबल क्षतिग्रस्त, उपभोक्ताओं की बिजली गुल

तेज धमाके के साथ आग लग गई, मची अफरातफरी

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के बछरावां रोड स्थित नवरंग सिंह का पुरवा मोहल्ले में बृहस्पतिवार देर शाम नाली निर्माण के दौरान जेसीबी से खुदाई करते समय अंडरग्राउंड विद्युत केबल क्षतिग्रस्त हो गई। इससे करीब साढ़े तीन हजार उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। बताया जा रहा है कि बछरावां रोड पर सड़क के दोनों ओर नाली निर्माण का कार्य चल रहा था। इसी दौरान जेसीबी मशीन से खुदाई के समय टाउन फर्स्ट फीडर की अंडरग्राउंड केबल मशीन में फंस गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, केबल फंसते ही तेज धमाके के साथ आग लग गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। केबल क्षतिग्रस्त होने से कस्बे के करीब साढ़े तीन हजार घरों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई, जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मरम्मत कार्य शुरू कराया। बाद में टाउन सेकंड फीडर से जोड़कर आपूर्ति बहाल की गई। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद बिजली व्यवस्था सामान्य हो सकी। अवर अभियंता दीपक कुमार ने बताया कि क्षतिग्रस्त केबल की मरम्मत कराई जा रही है। साथ ही जेसीबी चालक के खिलाफ पुलिस को शिकायती पत्र देकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एस0आई0आर0के बाद मतदाता सूचियों का हुआ अंतिम प्रकाशन

बिसवां (सीतापुर)। विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान के बाद नयी मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन शुक्रवार को सार्वजनिक रूप से उच्च प्राथमिक विद्यालय कम्पोजिट जहांगीराबाद के प्रांगण में किया गया जिसमें बूथ संख्या 265 से 271 तक समस्त बूथों के बीएलओ मतदाता सूची सहित केन्द्र पर उपस्थित रहे। जिन्होंने मतदाता सूची पढ़कर सुनाई। शुक्रवार को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया जिसमें गांव के कई मतदाताओं ने स्कूल पहुंच कर नयी प्रकाशित वोटर लिस्ट में अपना व अपने परिवार के अन्य मतदाता लोगों के नाम तथा उनके सही विवरण की जानकारी प्राप्त की। इस मौके पर बीएलओ सुनीता वर्मा, अफरोज जहां, मेहनाज बेगम, शीला श्रीवास्तवा व सुमन कुमारी वर्मा आदि मौजूद रहे।

इजाबेला थोबर्न कॉलेज बेकलारियट पुरस्कार समारोह 2025-26 का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के इजाबेला थोबर्न कॉलेज बेकलारियट पुरस्कार समारोह -2025-26 शैक्षणिक उत्कृष्टता के समृद्ध इतिहास के साथ एशिया का प्रथम नारी अध्ययन केंद्र इसाबेला थोबर्न कॉलेज लखनऊ शहर में ज्ञान का प्रकाश स्तंभ रहा है। एक प्रमुख महिला संस्थान के रूप में, कॉलेज ने कई छात्राओं को विभिन्न पदों पर सफल और सशक्त बनाया है। बैकलॉरिएट पुरस्कार समारोह कॉलेज की एक गौरवशाली परंपरा है जिसके अंतर्गत अपने छात्रों की शैक्षणिक उत्कृष्टता और उत्कृष्ट उपलब्धियों का जश्न मनाया जाता है। महाविद्यालय में शुक्रवार, 10 अप्रैल, 2026 को इस समारोह को कॉलेज अध्यक्ष डॉ0 ई एस चार्ल्स के संरक्षण में उत्साह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर के मुख्य अतिथि रेवरेंड बिशप डॉ0 सी0 सेल्विन थे जिन्होंने अपनी पत्नी श्रीमती एल सैल्विन के साथ कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।रेवरेंड बिशप सेल्विन ने अपने उदबोधन में कहा कि सीखने की प्रक्रिया जीवन भर चलती है और कॉलेज आपको शिक्षित करने के साथ साथ जीवन में सामंजस्य, जिम्मेदारी,और नैतिकता जीवन जीने की कला सिखाता है, आज का युग तकनीकी विकास का है पर चरित्र का विकास सर्व प्रमुख है,शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि अपनी क्षमताओं का विकास कर आप सभी प्रगति करें। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्या डॉ0 (मेजर) नीरजा मसीह, द्वारा आराधना के आह्वान के साथ हुई। सेवा में धर्मग्रंथ पढ़ना, प्रार्थनाएँ और भजन शामिल थे।

ज्ञान के प्रकाश का प्रतीक दीप रेवरेंड बिशप सी सेल्विन्, एल सेल्विन्, कार्यवाहक प्राचार्या डॉ0 मेजर नीरजा मसीह, प्रोफेसर सीमा जोशी, प्रोफेसर विनीता विजय, और डॉ0 पॉल मैथ्यू द्वारा प्रज्ज्वलित किया गया।

प्रोफेसर सीमा जोशी, (रसायन शास्त्र विभाग,) प्रोफेसर विनीता विजय (गणित विभाग)और डॉ0 पॉल मैथ्यू, (शिक्षा शास्त्र विभाग), संकाय सदस्य जो इस शैक्षणिक सत्र से सेवानिवृत्त हो रहे हैं, को कॉलेज में उनके समृद्ध योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इसके बाद, शैक्षणिक और सांस्कृतिक उपलब्धियों के लिए मेधावी छात्रों को प्रशंसा प्रमाण पत्र, पुरस्कार और पदक प्रदान किए गए: इसाबेला थोबर्न छात्रवृत्ति-महक आल्टर, बी0 ए0 3 मैरी ई0 शैनन छात्रवृत्ति- जेसिका पालिन् लाकरा बी0 एच0 एस0सी0 2 मार्जोरी डिमिट छात्रवृत्ति-अस्मा वजाहत बी0ए0 3, ओलिव रेडिक छात्रवृत्ति-माही सिंह बी0ए0 3 सारा चक्को फेलोशिप-नैना तिवारी एम एस सी,अनुष्का सिंह बी0एड0, सारा चाको मेरिट अवार्ड -प्रशंसा बी0ए0 3, दिव्यन्शी पांडे बी काम 3 और अंशिका वर्मा बी0एस0सी0 3, बी0ए0 में सर्वोच्च अंक-शैमिल नाज़- (बी0ए0 तृतीय वर्ष) बी0एस0सी0 पी0सी0एम0 में सर्वोच्च अंक-कनिष्का सिंह- (बी0एस0सी0 तृतीय वर्ष) बी0एस0सी0 में सर्वोच्च अंक ZBC-अंबरीन खान- (बी0 एस0सी0 तृतीय वर्ष) बी0कॉम0 में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली कृतिका राणा- (बी0कॉम0 तृतीय वर्ष) बी0एच0एस0सी0 में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली भूमिका वर्मा- (बी0 एच0एस0सी0 तृतीय वर्ष) स्नातकोत्तर छात्राएं जावेरिया नजाम और वैशाली वर्मा, ताशु, साइमा सिद्दीकी और अनन्या श्रीवास्तव को क्रमशः एम0ए0 अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, भूगोल और समाजशास्त्र में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया। मेघा कुमारी, अक्सा खान, उज़्मा बानो, अफ़रीन खान और सारा फ़ातिमा को क्रमशः एम0 एस0सी0 जैव प्रौद्योगिकी,रसायन विज्ञान, पोषण, प्राणी विज्ञान और बी0लिब0 एस0 सी0 में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन कॉलेज कार्यवाहक प्राचार्या डॉ0 मेजर नीरजा मसीह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

पाली स्थित ब्लाक संसाधन केंद्र पर स्कूल चलो अभियान के तहत निकाली गई बाइक रैली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। शिक्षा का अलख जगाने व लोगों को जागरूक कर बच्चों का परिषदीय विद्यालय में शत-प्रतिशत नामांकन कराने के उद्देश्य से स्कूल चलो अभियान के तहत बाइक रैली निकाली गई। जिसमें शिक्षकों के अतिरिक्त जनप्रतिनिधियों ने भी प्रतिभाग किया। शुक्रवार को पाली स्थित ब्लाक संसाधन केंद्र पर स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व ब्लाक प्रमुख सत्येन्द्र प्रताप सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि अब परिषदीय विद्यालयों को भाजपा सरकार द्वारा पर्याप्त डिजिटल संसाधनों से लैश किया गया है। नवीन सत्र में ब्लाक क्षेत्र की न्याय पंचायतों के सबसे ज्यादा नामांकन वाले प्राथमिक विद्यालय दौतरा, बलीपुर, कोटवा मोहम्मदाबाद, मदनिया, मऊ गर्वी, पूरे अचली, पखनपुर व सलेथू समेत आठ विद्यालयों के शिक्षकों को सम्मानित भी किया। इस दौरान कम्पोजिट विद्यालय जमुरांवा के छात्र छात्राओं ने स्कूल चलो अभियान के तहर कई प्रेरणा गीत व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। इसके बाद पूर्व ब्लाक प्रमुख सत्येन्द्र प्रताप सिंह के द्वारा झंडी दिखाकर शिक्षकों की बाइक रैली को रवाना किया गया। ब्लाक संसाधन केंद्र में चंदापुर चौराहे तक व बछरावां रोड पर शिवगढ़ मोड़ तक निकाली गई बाइक रैली का नेतृत्व खण्ड शिक्षा अधिकारी राम मिलन यादव, प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष विनोद अवस्थी, जूनियर शिक्षक संघ के शिवबालक व राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के अध्यक्ष मधुकर सिंह ने किया। खण्ड शिक्षा अधिकारी राम मिलन यादव ने कहा स्कूल चलो अभियान के तहत समाज को जागरूक करने के लिए जागरुकता रैली, विचार गोष्ठी का आयोजन, किया जा रहा है। हम सबका दायित्व है कि 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों का विद्यालयों में शतप्रतिशत नामांकन कराये। ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व ए आर पी दिनेश शुक्ला ने किया। इस मौके पर ए आर पी अंकित गुप्ता, मीनाक्षी पाण्डेय, विकास चौधरी, शिक्षक आशीष सिंह, पंकज सिंह, पुनीत बाजपेई, प्रदीप चौरसिया, महेश कश्यप, आकाश, दिलीप, राकेश गौतम, रामअनुज श्रीवास्तव, अनुदेशक इंद्र कुमार, सुरेश, अवनीश, श्यामू पाल, आशीष कुमार समेत दर्जनों शिक्षिकाऐं व लोग मौजूद रहे।

देश की जड़ है ग्रामीण भारत: शंकरी सिंह

● प्रियंका बाल शिक्षा निकेतन इंटर कालेज का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर के वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व प्रत्याशी विधानसभा सरोजनीनगर शंकरी सिंह ने शुक्रवार को प्रियंका बाल शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज में विद्यालय के वार्षिकोत्सव एवं वार्षिक परिणाम घोषणा समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। समारोह को संबोधित करते हुए शंकरी सिंह ने कहा, 'ग्रामीण भारत देश की जड़ें हैं। यहाँ की मिट्टी में हमारी संस्कृति और शक्ति निहित है। आप सभी विद्यार्थी पढ़ाई पर पूरा ध्यान दें, मेहनत करें और अपने गांव का नाम रोशन करें। शिक्षा ही वह हथियार है जो आपको सपनों को साकार करने की ताकत देगी। 'उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। बच्चों की मासूम मुस्कान और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्होंने कहा कि ये छोटे बच्चे ही कल का सशक्त भारत बनेंगे। कार्यक्रम में प्रबंधक व आयोजक योगेन्द्र सिंह, प्रधानाचार्य श्रीमती अनामिका सिंह , अध्यापिका श्रीमती संगीता, विनय दीक्षित, अचल कुमार, रमेश राजपूत, धूम सिंह, मोहित सिंह, अठेंदर रावत, गुरदयाल गौतम सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक और शिक्षकगण उपस्थित रहे। स्कूल प्रबंधन समिति, प्रधानाचार्य, शिक्षकगण एवं अभिभावकों ने भाजपा नेता शंकरी सिंह का हार्दिक स्वागत किया और उनके मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। प्रियंका बाल शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज ग्रामीण क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को संवारने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

बुजुर्ग महिला की जमीन पर कब्जे का आरोप, डीएम से लगाई न्याय की गुहार

स्वतंत्र प्रभात — ब्रेकिंग न्यूज़

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के मलकेगांव निवासी शांती देवी ने अपनी पुश्तैनी जमीन पर कब्जा किए जाने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपा है। पीड़िता का कहना है कि गांव के ही दो लोग उसकी बुजुर्गो की जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। शिकायत में बताया गया कि आरोपी जमीन पर कूड़ा-करकट डालकर कब्जा करने की नीयत से लगातार दबाव बना रहे हैं। विरोध करने पर गाली-गलौज करने के साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़िता के अनुसार, आरोपियों द्वारा उसे और उसके परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी जा रही है। शांती देवी ने यह भी आरोप लगाया कि हल्का लेखपाल आरोपियों से मिलकर उनकी मदद कर रहा है, जिससे अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी। पीड़िता ने कई बार शिकायत करने की बात कही, लेकिन उसे न्याय नहीं मिल पाया।

ग्राम प्रधान उलरा, जयन्ती देवी की अध्यक्षता में बैठक का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां सीतापुर ग्राम पंचायत उलरा एवं भूड़कुंडी मे ग्राम पंचायतो को साफ सुथरा रखने और ग्रामीण समुदाय की संक्रामण से बचाने के लिए ग्राम प्रधान उलरा जयंती देवी की अध्यक्षता मे पंचायत भवन के सभागार मे बैठक का आयोजन हुआ। बैठक मे बड़ी संख्या मे ग्रामीणों से सहभागिता की। बैठक को सम्बोधित करते हुए ग्राम पंचायत सचिव रविशंकर ने सरकार ने गावों को स्वच्छ एवं साफ सुथरा बनाये रखने के लिए एकीकृत ठोस अप सिस्ट प्रबन्धन् केंद्र की स्थापना कराया है ताकि सुखा कचरा और गीला कचरा,एवं कांच का सही निपटान कराया जा सके, और गावों भी शहरों की तर्ज पर साफ सुथरे दिखे इसके लिए सरकार एवं ग्राम पंचायतो का संयुक्त प्रयास है।इसके लिए ग्राम पंचायत स्तर पर कूड़ा उठाने के लिए कूड़ा गाड़ी की व्यवस्था पंचायतो मे की गई है इस गाड़ी को चलाने हेतु कर्मचारी की नियुक्त की गई है कूड़ा उठाने हेतु सुबह से ही यह गाड़ी गावों मे भ्रमण शील होगी ,उन्होंने समुदाय से अपील की घरों से निकलने वाला कूड़ा और कचरा गाड़ी लेकर आने वाले कर्मचारी को दे जिससे कूड़े का सही से निपटान हो और गावों मे कूड़ा कचरा से होने वाली गंभीर बीमारियों से बचाव हो सके। वही ग्राम पंचायत भूड़कुंडी मे ग्राम प्रधान आयशा की अध्यक्षता मे बैठक सम्पन्न हुई।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि उलरा रितेश कुमार, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि भूड़कुंडी मोहम्मद याकूब,सुशीला देवी, सुषमा देवी, प्रवीण कुमार, जय नारायन, तेजपाल, सरला देवी, सफीुद्दीन, प्रवीण बानो, गिरजेश वर्मा, अवधेश कुमार, गफ्फार, कुंती देवी आदि सहित बड़ी संख्या मे ग्रामी न उपस्थिति रहे।

सिधौली में सीओ कपूर कुमार का सम्मान समारोह सम्पन्न वक्ताओं ने सीओ के कार्यों की सराहना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिधौली। क्षेत्राधिकारी सिधौली श्री कपूर कुमार के जिला मुख्यालय सीतापुर में नगर क्षेत्राधिकारी पद पर स्थानांतरण होने के उपलक्ष्य में स्वामी विवेकानंद सामाजिक सेवा संस्थान, सिधौली में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पहल फाउंडेशन के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आदर्श नगर पंचायत सिधौली के अध्यक्ष श्री गंगाराम राजपूत रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षाविद् गुरुजी आर. डी. वर्मा ने की। समारोह में उपस्थित वक्ताओं ने श्री कपूर कुमार के कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके सरल, संवेदनशील एवं कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तित्व की प्रशंसा की।

इस अवसर पर प्रख्यात साहित्यकार डॉ. देवेंद्र कश्यप 'निडर' ने अपने काव्यपाठ के माध्यम से शुभकामनाएं देते हुए कहा– 'यहां ये देखकर लगता चरागों की तरह हो तुम,

जहां पर आप जाएंगे, इलाका जगमगाएगा। 'उन्होंने सीओ साहब के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित प्रभावशाली कविता भी प्रस्तुत की।

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. चंद्रशेखर प्रजापति द्वारा किया गया। समारोह में स्थानीय पत्रकार, समाजसेवी, अधिवक्ता, सभासद, विद्यार्थी एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस दौरान पुष्पेंद्र यादव, एडवोकेट राम प्रकाश यादव, मुन्नन शुक्ल, अविनाश मधुर, जवान सिंह, संजीव राजपूत, नेहा सिंह, राकेश गुप्ता, आदित्य सहित तमाम लोग मौजूद रहे। समारोह के अंत में सभी ने श्री कपूर कुमार को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शिक्षा का दीप जलाना है,हर बच्चे को पढ़ाना है........

बिसवां (सीतापुर)। सकरन विकास खण्ड के उच्च प्राथमिक विद्यालय कलिमापुर कंपोजिट में शुक्रवार को स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत रैली का आयोजन कर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान प्रतिनिधि बुद्धि सागर अवस्थी द्वारा बच्चों को झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया गया। बच्चों ने 'सर्व शिक्षा अभियान, सबको मिले प्राथमिक ज्ञान' व 'शिक्षा का दीप जलाना है,हर बच्चे को पढ़ाना है' तथा 'इक्कीसवीं सदी की यही पुकार, शिक्षा है सबका अधिकार' आदि नारे लगाते हुए पूरे कलिमापुर गांव में भ्रमण किया। बच्चों द्वारा विभिन्न स्लोगन लिखे पोस्टर के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक कफील अहमद खान, शिक्षिका प्रीति देवी, शिक्षक अशोक गौतम, सोनू सरोज,राजेश कुमार भार्गव, बृजेश कुमार व भारत प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं को दी गई विदाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर 10 अप्रैल चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय में विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं के सम्मान में चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के पूर्व निदेशक प्रो योगेश कुमार शर्मा, प्राचार्य डॉ. योगेंद्र कुमार सिंह एवं डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ योगेंद्र कुमार सिंह एवं पूर्व निदेशक डॉ प्रोफेसर योगेश कुमार शर्मा ने छात्रों को आशीर्वचन दिया। छात्र-छात्राओं के द्वारा एक दर्जन से अधिक रंगारंग कार्यक्रम एवं नुक्कड नाटक प्रस्तुत किए गए नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से देश पर्यावरण बचाओ, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मिशन शक्ति बच्चों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।

महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. सत्येंद्र कुमार सिंहने अपने संबोधन में बताया कि चंद्रभानु गुप्ता कृषि महाविद्यालय बक्शी का तालाब क्षेत्र का उच्च कोटि का विद्यालय है यहां से प्रत्येक वर्ष अच्छी नौकरियों में छात्र-छात्राएं जाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि निरंतर परिश्रम और लगन से ही उच्च स्थान प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं छात्र अपने जीवन में अच्छे मार्ग पर चलकर सब कुछ हासिल कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान मिस्टर फेयरवेल का खिताब भी दिये गये। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी शिवमंगल मंगल चौरसिया, आरपी सिंह, डॉ सुधाकर सिंह, डॉ. सुधीर कुमार रघुवंशी, डॉ. धनेंद्र कुमार सिंह डॉ, डॉ. के.डी. सिंह, डॉ. गुरप्रीत सिंह

भाटिया,डॉ उपमा त्रिपाठी, डॉ अखिलेश कुमार, इबाद खान, श्वेता मिश्रा, डॉ रश्मि पांडे नलिनी मिश्रा, रजनी शुक्ला, डॉ अनिल कुमार वर्मा, डॉ विवेक कुमार वर्मा, डॉ रवी शंकर वर्मा, प्रतिमा सिंह एवं दिलीप कुमार सिंह उमेश कुमार सहित सभी गणमान्य शिक्षक तथा कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। मंच का संचालन श्रेष्ठी सिंह एवं श्रेयांश सिंह चौहान द्वारा किया गया।

बूथ स्तर तक कमेटियों का गठन कर दल को करें मजबूत:- डा0 गया प्रसाद वर्मा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)। अपना दल (एस) की विधानसभा सेवता की समीक्षा बैठक शुक्रवार 10 अप्रैल को जिला सचिव किसान मंच कालिका प्रसाद पटेल की अध्यक्षता में क्षेत्र के मवासेपुर गांव में संपन्न हुई। संचालन विधानसभा महासचिव सुधाकर मिश्र ने किया।

समीक्षा बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अपना दल(एस) के जिला महासचिव डा0 गया प्रसाद वर्मा ने उपस्थित कार्यकर्ताओं से दल को मजबूती प्रदान करने के लिए जोन, सेक्टर एवं बूथ स्तर तक समितियों का गठन करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब हमारे कार्यकर्ता बूथ स्तर तक मजबूत होंगे तभी हम बढ़ चढ़ कर आगामी चुनावों में अपना दमखम दिखा सकते हैं। उन्होंने दल के विस्तार पर भी चर्चा की।

बैठक शुरू होने से पहले सभी अतिथियों और कार्यकर्ताओं ने लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल,डा0 भीमराव आंबेडकर तथा दल के संस्थापक बोधिसत्व डा0 सोनेलाल पटेल आदि महापुरुषों के चित्रों पर पुष्पार्चन किया। पिछली कार्यवाही भी पढ़कर सुनाई गई जिसका सभी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

इस मौके पर विधानसभा उपाध्यक्ष राम लखन वर्मा, हेमराज भार्गव, माधव राम, विवेक कुमार, बाबू राम, राजकुमारी, घूरू, दयाराम गौतम, हरिनाम भारती व रघुराज गौतम सहित लगभग एक दर्जन कार्यकर्ता उपस्थित रहे।अंत में विधानसभा उपाध्यक्ष राम लखन वर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

दोपहर 12 बजे क्या हुआ था? प्रतापगढ़ जेल में बंदी की मौत के बाद 3 पर गिरी गाज

लखनऊ। प्रतापगढ़ की जिला जेल में शुक्रवार दोपहर संदिग्ध परिस्थितियों में एक विचाराधीन बंदी की आग लगने से मौत हो गई। जेल प्रशासन ने इस मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में तीन जेल कर्मियों को निलंबित किया है। साथ ही घटना की विस्तृत जांच डीआइजी जेल प्रदीप गुप्ता को सौंपी है। डीजी जेल पीसी मीणा ने बताया कि प्रतापगढ़ जिला जेल में उन्नाव निवासी दीपक उर्फ राहुल पहली नवंबर 2025 में बंद था। उस पर कंधई थाने में छेड़छाड़, धमकी, आत्महत्या के लिए उकसाने और पाक्सो एक्ट समेत कई गंभीर धाराओं में केस दर्ज है। शुक्रवार को दोपहर करीब 12 बजे संदिग्ध परिस्थितियों में जेल परिसर में आग लग गई और इसकी चपेट में आए दीपक की मौके पर जलकर मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इस मामले में प्राथमिक जांच में हेड जेल वार्डर चोन्हर कुमार, अखिलेश सिंह और उप कारापाल ध्रुव नारायण श्रीवास्तव की लापरवाही सामने आई है। इसलिए उन्हें निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

एलडीए की बड़ी कार्रवाई, 6 अवैध निर्माण किए सील; गोसाईंगंज में 40 बीघा की अवैध प्लाटिंग की ध्वस्त

● एलडीए ने लखनऊ में छह अवैध निर्माण सील किए।

गोसाईंगंज में 40 बीघा अवैध प्लाटिंग ध्वस्त की गई।

दो आरएमसी प्लांट भी अवैध पाए जाने पर सील।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। एलडीए ने शुक्रवार को मड़ियांव व सैरपुर में अभियान चलाकर दो आरएमसी (रेडी मिक्स कंक्रीट) प्लांट समेत छह अवैध निर्माण सील किये। वहीं, गोसाईंगंज में न्यू जेल रोड पर 40 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। प्रवर्तन जोन-दो के जोनल अधिकारी रवि नंदन सिंह ने बताया, अभिषेक सिंह व अन्य द्वारा गोसाईंगंज में न्यू जेल रोड स्थित ग्राम-शिवलर में 40 बीघा क्षेत्रफल में अवैध रूप से प्लाटिंग का कार्य करते हुए अवैध कालोनी विकसित की जा रही थी। एलडीए से ले-आउट स्वीकृत कराए बिना की जा रही अवैध प्लाटिंग को न्यायालय ने ध्वस्त करने का आदेश दिया था। प्रवर्तन टीम द्वारा मौके पर कार्रवाई करते हुए अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया।

प्रवर्तन जोन-चार के जोनल अधिकारी माधवेश कुमार ने बताया, गगन सिंह, मंजीत सिंह, शिवम मिश्रा, तारिक व अन्य द्वारा मड़ियांव, प्रबंध नगर में यादव चौराहे के पास 400 वर्गमीटर क्षेत्रफल में आरएमसी प्लांट संचालित किया जा रहा था। इसी तरह पवन सिंह व अन्य द्वारा यादव चौराहे के पास

100 वर्गमीटर क्षेत्रफल में आरएमसी प्लांट संचालित किया जा रहा था।

एलडीए से मानचित्र स्वीकृत कराए बिना अवैध रूप से निर्मित व संचालित दोनों आरएमसी प्लांट को सील कर दिया गया। इसके अलावा मड़ियांव व सैरपुर में अभियान चलाया गया। जहां याकूब, देशराज अग्रवाल, शिवेन्द्र मिश्रा, गोपाल अग्रवाल व अन्य द्वारा निर्मित किये जा रहे चार अवैध व्यावसायिक निर्माण सील किए गए।

यूपी में आपदा प्रबंधन की 31 परियोजनाओं पर खर्च होंगे 410 करोड़ रुपये, 44 जिलों में खरीदे जाएंगे मोटर बोट

लखनऊ। मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक में विभिन्न विभागों की 31 परियोजनाओं हेतु 410 करोड़ रुपये धनराशि जारी करने की स्वीकृत दी गई। उन्होंने असमय आने वाली प्राकृतिक आपदाओं के प्रति पूरी तैयारी रखने पर विशेष बल दिया। बेमौसम बारिश के कारण फसल क्षति से प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। स्वीकृत परियोजनाओं में मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए 34.75 करोड़, अयोध्या में बाढ़ शरणालय के निर्माण के लिए 19.31 लाख रुपये तथा वाराणसी के घाटों पर फ्लोटिंग बैरियर निर्माण के लिए 5.28 करोड़ रुपये शामिल हैं। विद्यालयों में आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण और ग्राम स्तर पर आपदा प्रबंधन योजनाएं तैयार करने के लिए 43.45 करोड़ रुपये की योजनाएं भी अनुमोदित की गई। डूबने से होने वाली जनहानि को कम करने के उद्देश्य से 'बाल तरणवीर' कार्यक्रम के लिए 7.5 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

नगर परिषद बकहो की गड़बड़ी हुई उजागर आवास योजना में भारी गड़बड़ी

तहसीलदार ने भी माना आवास योजना गलत आवंटित हुए है- कलेक्टर संज्ञान में ले।

शहडोल इन दिनों भ्रष्टाचार इतना बढ़ चुका है कि प्रधानमंत्री आवास योजना जैसे मुहिम अभियान में भी जानबूझकर या आंख मूंदकर अपात्र लोगों को आवास योजना का लाभ ऐसे व्यक्ति की जमीन पर आवंटित की गई है, जिस पर स्वयं नगर परिषद सी.एम.ओ. एवं हल्का पटवारी के साथ तहसीलदार ने भी माना की भूमि स्वामी कोई और आवास योजना का लाभ कोई और ले रहा है, जो बहुत बड़ी साजिस के तहत धोखाधड़ी व 420 की श्रेणी में आता है, नगर परिषद बकहो वार्ड क्र.5 टिकुरी टोला में भूमि स्वामी अमित सिंधानियां की वर्षों पुराने पट्टे की जमीन पर नगर परिषद की लापरवाही के कारण आवास योजना अपात्र लोगों को सिंधानियां की जमीन में बनवाने के लिए प्रेरित की या परिषद ने आंख मूंदकर प्रधानमंत्री आवास योजना के पैसों का बंदरबाट कर नियम कानून की धज्जियां उड़ाते हुए कमिश्नर व कलेक्टर से की गई शिकायत के बाद स्वयं सी.एम.ओ. बकहो व तहसीलदार ने स्वीकार किया की जिन लोगों के आवास योजना के मकान बने है, व पूर्ण रूप से अवैध जिन्हे शीघ्र बेदखल किया जाना तय है, पर इतनी बड़ी गलती करने वाले व गड़बड़ी में लिप्त कर्मचारी अधिकारी के ऊपर संभागीय कमिश्नर व जिला कलेक्टर शीघ्र कार्यवाही कर प्रधानमंत्री आवास योजना की गड़बड़ी करने वालों के ऊपर कार्यवाही हो सके।

स्कूल चलो अभियान के तहत काशीपुर में निकाली रैली

सिद्धार्थनगर जिले के बर्डपुर ब्लाक के कंपोजिट जूनियर हाईस्कूल काशीपुर में स्कूल चलो अभियान एवं संचारी रोग नियंत्रण पखवाड़ा रैली प्रधानाध्यापक अब्दुल अजीज की अगुवाई में निकाली गई, जिसमें विद्यालय के नन्हे मुन्ने बच्चों ने हाथों में स्लोगन लिखे हुए तख्ती और नारों के साथ कई गांव का भ्रमण किया और लोगों को स्वच्छता और शिक्षा से संबंधित जानकारियां देकर सबको आकर्षित किया। इस अवसर पर बर्डपुर ब्लॉक के एआरपी अभय कुमार यादव और एआरपी विवेक पासवान ने भी बच्चों के साथ गांव का भ्रमण कर लोगों को जागरूक किया, रैली बनकटवा, काशीपुर पिपरा, रोशन जोत आदि गांव में जाकर आमजन को जागरूक किया गया, रैली में बच्चों के साथ समसुल हक, नागेश्वर प्रसाद, विजयलक्ष्मी, रितु मलिक, वंदना चौधरी, उर्मिला देवी, वीरेंद्र चौधरी, सुनीता चौधरी आदि ने शामिल रहे।

अंबेडकर जयंती को लेकर सुरियावां थाना में पीस कमेटी की बैठक

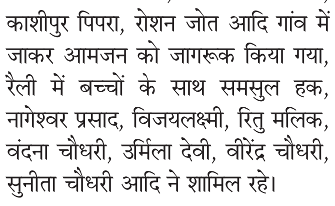

भदोही। आगामी अंबेडकर जयंती को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से सुरियावां थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासन एवं क्षेत्रीय लोगों ने मिलकर कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर चर्चा की। थानाध्यक्ष मनीष द्विवेदी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ मनाएं, लेकिन नियमों का पालन करना आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिया कि तेज आवाज में डीजे न बजाया जाए और जो भी झांकियां निकाली जाएं, उन्हें निर्धारित समय (लगभग रात 10 बजे) तक समाप्त कर लिया जाए। साथ ही बिना अनुमति किसी भी प्रकार का कार्यक्रम या झांकी निकालने पर रोक रहेगी तथा विवादित या सरकारी भूमि पर किसी प्रकार की प्रतिमा स्थापना या आयोजन नहीं किया जाएगा। थानाध्यक्ष ने कहा कि लोग अपने-अपने घरों पर बाबा साहेब की जयंती मना सकते हैं, लेकिन सार्वजनिक कार्यक्रम के लिए पूर्व अनुमति अनिवार्य होगी। बैठक में उपनिरीक्षक योगेंद्र नाथ सिंह यादव, कमलेश कुमार, जितेंद्र यादव, धीरज यादव, शकील खां, जय शंकर, मनोज कुमार गौतम, दिलीप रावण, अरविंद कुमार प्रधान सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रेत माफियाओं का बड़ा खेल उजागरः जनता से खुली लूट

200 घनफीट के नाम पर 130 घनफीट रेत

● कलेक्टर से कार्यवाही की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
दिनेश चौधरी

शहडोल। जिले में रेत कारोबार से जुड़ा एक बड़ा मामला सामने आया है, जिसमें आम नागरिकों के साथ खुलेआम धोखाधड़ी किए जाने का आरोप लगाया गया है। इस संबंध में घेरोला मोहल्ला निवासी समाजसेवी अशरफ खान द्वारा कलेक्टर शहडोल को लिखित शिकायत सौंपकर पूरे मामले की जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत में जो तथ्य सामने आए हैं, वे न सिर्फ चौंकाने वाले हैं बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करते हैं।

रेत की गाड़ियों में बड़ा खेल, 70 प्रतिशत तक धोखाधड़ी का आरोप

शिकायत पत्र में बताया गया है कि शहडोल जिले में चल रही रेत की गाड़ियों/डंपरों में से लगभग 70 प्रतिशत गाड़ियां आम जनता को धोखा दे रही हैं। यदि कोई व्यक्ति रेत खरीदता है, तो उसे 180 से 200 घनफीट रेत बताकर दी जाती है, जबकि वास्तविकता में मात्र 130 घनफीट रेत ही उपलब्ध कराई जाती है।

गाड़ियों में की जा रही है तकनीकी हेराफेरी

मामले का सबसे गंभीर पहलू यह है कि रेत की गाड़ियों की बॉडी के अंदर एंगल की पट्टियां लगाकर और उनमें लोहे की चादर फिट कर दी जाती है। इससे गाड़ी की ऊंचाई 8 से 10 इंच तक कम हो जाती है, लेकिन बाहर से देखने पर गाड़ी पूरी भरी हुई और बड़ी दिखाई देती है। इस तरह ग्राहकों को भ्रमित कर कम रेत देकर पूरा पैसा वसूला जाता है।

खाली कराने के बाद खुलती है पोल

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि जब गाड़ी को खाली कराकर उसकी वास्तविक माप ली जाती है, तब जाकर इस धोखाधड़ी का खुलासा होता है। गाड़ी में कम रेत होने के बावजूद ग्राहकों से पूरा पैसा लिया जाता है, जिससे आम लोगों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

भोले-भाले लोगों को बनाया जा रहा शिकार

समाजसेवी अशरफ खान ने अपने पत्र में लिखा है कि जिले के सीधे-साधे और भोले-भाले लोग इस धोखाधड़ी का शिकार हो रहे हैं। जीवनभर की कमाई से अपना घर बनाने का सपना देखने वाले लोगों के साथ इस तरह की ठगी उनके सपनों पर कुठाराघात कर रही है।

हाईवा और ट्रॉली सिस्टम से भी हो रही गड़बड़ी

शिकायत में रेत व्यापारियों की एक और चाल का खुलासा किया गया है। बताया गया है कि व्यापारी हाईवा से रेत लाकर एक स्थान पर गिरवा देते हैं, फिर उसी रेत को छोटी

ट्रॉलियों के माध्यम से अलग-अलग ग्राहकों तक पहुंचाया जाता है। एक हाईवा की रेत से 5 से 6 ट्रिप बनाकर बेची जाती है, जिससे मुनाफा कई गुना बढ़ जाता है।

ग्रामीण और अनजान जनता सबसे ज्यादा प्रभावित

पत्र में यह भी कहा गया है कि जानकारी के अभाव में ग्रामीण और गरीब तबके के लोग इस धोखाधड़ी को समझ नहीं पाते। यदि वे गाड़ी खाली करवाकर लंबाई और चौड़ाई नाप लें, तो सच्चाई सामने आ सकती है, लेकिन अधिकांश लोग ऐसा नहीं कर पाते और ठगी का शिकार बन जाते हैं। कीमत में भी बड़ा अंतर, 5000 की रेत के लिए 8000 की वसूली शिकायत के अनुसार, आम जनता से रेत के लिए 8000 रुपये तक वसूले जा रहे हैं, जबकि वास्तविक मूल्य लगभग 5000 रुपये के आसपास होना चाहिए। यानी कम मात्रा देने के साथ-साथ अधिक कीमत वसूलकर दोहरी मार दी जा रही है।

प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग

समाजसेवी अशरफ खान ने कलेक्टर से मांग की है कि जिले में चल रही सभी रेत गाड़ियों, विशेषकर 912 मॉडल डंपरों की जांच कराई जाए और दोषी व्यापारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में कोई भी व्यापारी आम जनता की मेहनत की कमाई को इस तरह न लूट सके।

संबंधित विभागों को भी दी गई सूचना

इस पूरे मामले की जानकारी जिला खनिज अधिकारी एवं नाप-तौल विभाग के अधिकारियों को भी दी गई है, ताकि संयुक्त रूप से कार्रवाई कर इस गोरखधंधे पर रोक लगाई जा सके। जनता में आक्रोश, कार्रवाई का इंतजार। इस मामले के सामने आने के बाद क्षेत्र में लोगों के बीच आक्रोश का माहौल है। अब सभी की निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं कि आखिर कब तक इस अवैध और धोखाधड़ी भरे कारोबार पर लगाम लगाई जाती है। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन इस शिकायत को गंभीरता से लेकर ठोस कार्रवाई करेगा या फिर रेत माफियाओं का यह खेल यूं ही चलता रहेगा?

ईरान से बातचीत के लिए अमेरिकी उपराष्ट्रपति पाकिस्तान रवाना

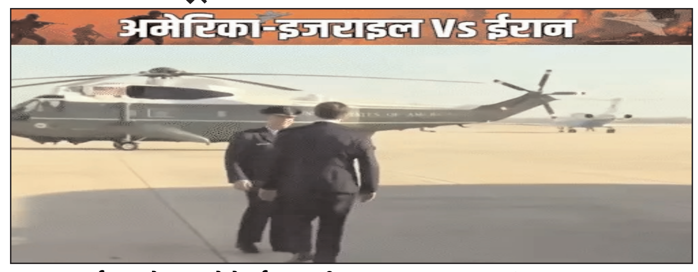

● कहा- ईरान खेल न खेले, ईमानदारी से बात करें; अब तक पाकिस्तान नहीं पहुंचा ईरानी डेलीगेशन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ईरान के साथ अहम बातचीत के लिए अमेरिकी उपराष्ट्रपति JD वेंस पाकिस्तान रवाना हो गए हैं। रवाना होते वक्त उन्होंने कहा कि ईरान ईमानदारी से बातचीत करे और कोई 'खेल' न खेले। वेंस ने कहा कि अगर तेहरान गुड फेथ में बात करेगा, तो अमेरिका भी खुले तौर पर बातचीत के लिए तैयार है। लेकिन अगर वह चालाकी करने की कोशिश करता है, तो अमेरिकी टीम सख्त रुख अपनाएगी।

इस्लामाबाद में दोनों देशों के बीच अहम बैठक होने वाली है। लेकिन बैठक से पहले ही अनिश्चितता बनी हुई है क्योंकि ईरानी डेलिगेशन अब तक पाकिस्तान नहीं पहुंचा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान लेबनान में जारी इजराइली हमलों से नाराज है और इसी वजह से उसने बातचीत को लेकर सख्त रुख अपनाया है। इससे पहले खबर आई थी कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान पहुंच चुका है, लेकिन ईरानी मीडिया ने इन दावों को खारिज कर दिया। गौरतलब है कि 8 अप्रैल को अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते के सीजफायर पर सहमति बनी थी।

अमेरिका-ईरान के बीच इन मुद्दों पर बातचीत होनी है

ईरान का न्यूक्लियर प्रोग्राम- अमेरिका का कहना है कि ईरान में कोई संवर्धन नहीं होगा। ईरान को अपना सारा हाई-लीवल इनरिच्ड यूरेनियम बाहर करना होगा और न्यूक्लियर फैसिलिटीज बंद या सीमित करनी होंगी।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज- दुनिया का बहुत सारा तेल और गैस इसी रास्ते से गुजरता है। ईरान अभी भी इसका नियंत्रण रखना चाहता है और टोल (फीस) लेने की बात कर रहा है। वहीं, अमेरिका चाहता है कि रास्ता पूरी तरह खुला और सुरक्षित हो, बिना किसी रुकावट या फीस के।

बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम- अमेरिका ईरान की लंबी दूरी की मिसाइलों पर रोक लगाना चाहता है।

सैंक्शंस हटाना- ईरान चाहता है कि सभी अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध तुरंत हटा दिए जाएं, फ्रोजन एसेट्स वापस मिलें और मुआवजा भी मिले।

वानिंदु हसरंगा की जगह एलएसजी में खतरनाक ऑलराउंडर की एंट्री, टी20 में चटका चुका है 218 विकेट

● वानिंदु हसरंगा चोट की वजह से आईपीएल 2026 से बाहर

लखनऊ की आईपीएल 2026 में लगातार दूसरी जीत

एलएसजी की टीम में स्टार ऑलराउंडर की एंट्री

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के बीच लखनऊ सुपर जायंट्स को बड़ा झटका लगा है। श्रीलंका के दिग्गज ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। हसरंगा का चोटों से पुराना नाता रहा है और वे इंजरी की वजह से कई बार नहीं खेल सके हैं। श्रीलंकाई खिलाड़ी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भी नहीं खेल सके थे और इसका असर टीम के प्रदर्शन पर भी दिखाई दिया था। अब वे आईपीएल 2026 से भी बाहर हो गए हैं। बता दें कि लखनऊ ने हसरंगा को 2 करोड़ रुपए में अपनी टीम में शामिल किया था। फ्रेंचाइजी को उम्मीद थी कि वे बल्ले और गेंद के साथ टीम के लिए अच्छा खेल दिखाएंगे लेकिन अब पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह एलएसजी ने साउथ अफ्रीका के हरफनमौला खिलाड़ी जॉर्ज लिंडे को अपने साथ जोड़ा है, जो पूरे सीजन खेलते हुए दिखाई देंगे।

जॉर्ज लिंडे को लखनऊ ने टीम में शामिल किया

साउथ अफ्रीका के लिए, जॉर्ज लिंडे तीनों फॉर्मेट में खेल चुके हैं। प्रोटियाज खिलाड़ी बल्ले और गेंद दोनों के साथ ही टीम के लिए योगदान दे सकते हैं। लिंडे बाएं हाथ के गेंदबाज और बल्लेबाज हैं। फ्रेंचाइजी ने उन्हें 1 करोड़ में अपने साथ जोड़ा है। वे आईपीएल में पहली बार नजर आने वाले हैं। इससे पहले उन्हें किसी भी टीम ने अपने स्क्वाड में शामिल नहीं किया था। 34 वर्षीय खिलाड़ी को टी20 क्रिकेट का अच्छा खासा अनुभव है, जो लखनऊ के काम आ सकता है। लिंडे ने साउथ अफ्रीका के लिए 3 टेस्ट, 4 वनडे और 37 टी20 मैच खेले हैं। टी20 इंटरनेशनल में उन्होंने 35 विकेट हासिल किए हैं, जबकि 403 रन बनाए हैं। इसके अलावा उन्होंने अब तक कुल 250 टी20 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान लिंडे ने 218 विकेट हासिल किए हैं और बल्ले से 2746 रन बनाए हैं।

लखनऊ की लगातार दूसरी जीत

आईपीएल 2026 में लखनऊ को अपने पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद उन्होंने वापसी की और लगातार दो मैचों में जीत दर्ज की। ऋषभ पंत की अगुवाई वाली टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद को 5 और कोलकाता नाइट राइडर्स को 3 विकेट से हराया।

लेबनान में नागरिकों की बढ़ती मौतों पर भारत ने जताई चिंता, पाकिस्तान में अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर लग रहीं तमाम तरह की अटकलें

● भारत सरकार ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री के निर्देश पर विभिन्न मंत्री खाड़ी देशों की यात्रा कर रहे हैं। विदेश मंत्री की यात्रा के तहत संयुक्त अरब अमीरात के साथ संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है, जबकि पेट्रोलियम मंत्री कतर में ऊर्जा सहयोग को लेकर बातचीत कर रहे हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इस समय पूरी दुनिया की नजर पाकिस्तान पर टिकी हुई है, जहां ईरान और अमेरिका के बीच अहम वार्ता होनी है। लेकिन हालात बेहद अलग तस्वीर दिखा रहे हैं। इस्लामाबाद में सन्नाटा पसरा हुआ है, कड़ी सुरक्षा के बीच लगभग लॉकडाउन जैसी स्थिति बना दी गई है और सड़कों पर आवाजाही बेहद सीमित है। जिन प्रतिनिधिमंडलों को इस वार्ता में शामिल होना है, उनके आने को लेकर अब भी संशय बना हुआ है। हालात ऐसे हैं मानो पाकिस्तान वार्ता की मेज सजाकर, समोसे और जलेबी रखकर इंतजार कर रहा हो, लेकिन मेहमान अभी तक पहुंचे ही नहीं हैं। उधर, ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ते टकराव के साथ लेबनान की स्थिति और जटिल हो गई है, जबकि भारत सहित कई देश इस पूरे घटनाक्रम पर करीबी नजर बनाए हुए हैं। भारत के विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि वह पश्चिम एशिया की स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और खाड़ी क्षेत्र के देशों के साथ संपर्क बनाए हुए है। साथ ही भारत सरकार ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री के निर्देश पर विभिन्न मंत्री खाड़ी देशों की यात्रा कर रहे हैं। विदेश मंत्री की यात्रा के तहत संयुक्त अरब अमीरात के साथ संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है, जबकि पेट्रोलियम मंत्री कतर में ऊर्जा सहयोग को लेकर बातचीत कर रहे हैं।

भारत ने अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए विविध स्रोतों की नीति अपनाई है। इसी क्रम में रूस और अमेरिका दोनों से ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। इसके साथ ही भारत अपने पड़ोसी देशों की सहायता भी कर रहा है। हाल ही में श्रीलंका को पेट्रोलियम उत्पाद की आपूर्ति की गई, जबकि मॉरिशस के साथ तेल और गैस आपूर्ति को लेकर समझौते को अंतिम रूप दिया जा रहा है। दूसरी ओर, लेबनान में हालात चिंताजनक बने हुए हैं। इजराइल के हमलों के कारण नागरिकों की बढ़ती मौतों पर भारत ने गहरी चिंता जताई है। भारत ने स्पष्ट किया है कि वह लेबनान की शांति और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है और वहां संयुक्त राष्ट्र मिशन में उसकी सक्रिय भागीदारी है। हम आपको बता दें कि लेबनान में लगभग एक हजार भारतीय नागरिक भी रह रहे हैं, जिससे भारत की चिंता और बढ़ गई है। इस बीच, इजराइल के प्रधानमंत्री ने साफ कहा है कि लेबनान में कोई युद्धविराम लागू नहीं है और हिजबुल्लाह के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। हालांकि उन्होंने यह भी संकेत दिया कि वह अनुरोध किया गया तो शांति वार्ता के लिए रास्ता खुला है।

इस पूरे संकट के बीच ईरान से जुड़ी एक महत्वपूर्ण खबर भी सामने आई है। ईरान के पूर्व विदेश मंत्री कमाल खराजी जोकि हवाई हमले में घायल हो गये थे, उनकी मृत्यु हो गयी है। हम आपको याद दिला दें कि उन्होंने ईरान की परमाणु क्षमता के बारे में बयान देते हुए कहा था कि तेहरान के पास परमाणु बम बनाने की तकनीकी क्षमता है। उधर, कूटनीतिक स्तर पर भी गतिविधियां तेज हो गई हैं। लेबनान ने संकेत दिया है कि वह वाशिंगटन में प्रस्तावित वार्ता में शामिल हो सकता है, जिससे युद्धविराम की संभावनाओं को बल मिल सकता है। हालांकि इस प्रक्रिया में कई बाधाएं बनी हुई हैं, जिनमें सबसे बड़ी समस्या लेबनान को युद्धविराम समझौते में शामिल करने को लेकर मतभेद है।

दूसरी ओर, इस संघर्ष का एक महत्वपूर्ण पहलू होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति है, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का प्रमुख मार्ग है। ईरान ने यहां जहाजों की आवाजाही पर सख्त नियंत्रण लगा दिया है। प्रतिदिन सीमित संख्या में जहाजों को अनुमति दी जा रही है, जिससे तेल आपूर्ति प्रभावित हो रही है और वैश्विक बाजार में अस्थिरता बढ़ रही है। जहाजों के लिए नए नियम, अनुमति प्रणाली और संभावित शुल्क ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार को जटिल बना दिया है। बताया जा रहा है कि ईरान इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क लगाने पर विचार कर रहा है, जिसे लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना हो रही है। इस स्थिति ने बीमा लागत, कानूनी जोखिम और परिवहन खर्च को बढ़ा दिया है, जिससे कई कंपनियां सतर्क हो गई हैं।

इसी बीच, चीन की भूमिका इस पूरे संकट में उभरकर सामने आई है। कूटनीतिक सूत्रों के अनुसार, जब युद्धविराम की संभावना कमजोर पड़ रही थी, तब चीन ने हस्तक्षेप कर ईरान को प्राथमिक सहमति देने के लिए राजी किया। चीन के विदेश मंत्री ने कई देशों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखा और क्षेत्र में सक्रिय कूटनीति के माध्यम से तनाव कम करने की कोशिश की।

माना जा रहा है कि भले वार्ता के लिए मेज पाकिस्तान में सजी हो लेकिन असल मध्यस्थता चीन ने ही की थी। वैसे अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच औपचारिक बातचीत शुरू हुई है या नहीं। ईरान ने इस बात से इंकार किया है कि उसका कोई प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान पहुंचा है। उसने यह भी कहा है कि जब तक लेबनान में युद्धविराम नहीं होता, तब तक वह व्यापक वार्ता में शामिल नहीं होगा। अमेरिका की ओर से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के पाकिस्तान जाने की तैयारी इस बात का संकेत है कि वार्ता को आगे बढ़ाने की कोशिशें जारी हैं। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि बातचीत प्रत्यक्ष होगी या अप्रत्यक्ष। कुल मिलाकर देखें तो फिलहाल स्थिति बेहद जटिल बनी हुई है। परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय संघर्ष, समुद्री सुरक्षा और लेबनान का मुद्दा जैसे कई बड़े प्रश्न अभी अनसुलझे हैं। कूटनीतिक प्रयास जारी हैं, लेकिन स्थायी समाधान के लिए सभी पक्षों को कठिन समझौते करने होंगे। बहरहाल, इस पूरे घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पश्चिम एशिया का संकट केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि वैश्विक प्रभाव वाला है, जिसमें ऊर्जा, सुरक्षा और कूटनीति के कई आयाम जुड़े हुए हैं।

माधुरी दीक्षित का रियल एस्टेट गेम, शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की ओ रोमियो ओटीटी पर रिलीज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

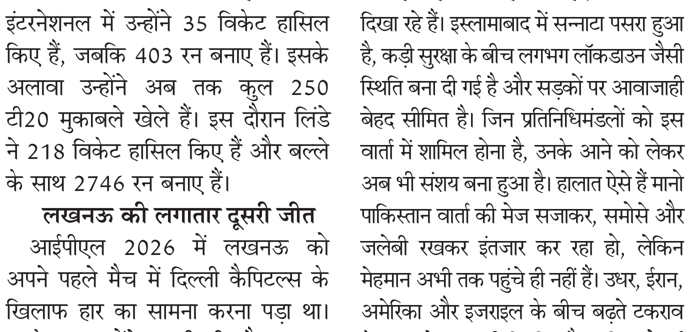

आज बॉलीवुड में 'धुरंधर 2'की ऐतिहासिक सफलता की गूंज है, जिसने 1000 करोड़ का आंकड़ा पार कर बॉक्स ऑफिस पर नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। वहीं, थलपति विजय की फिल्म 'जना नायकन' के रिलीज से पहले लीक होने की खबरों ने फिल्म इंडस्ट्री को सकते में डाल दिया है। टीवी की दुनिया में 'बिग बॉस 19' में चल रहे ड्रामे और सलमान खान की सुरक्षा से जुड़े अपडेट्स चर्चा का केंद्र बने हुए हैं, जबकि अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' और शाहिद कपूर की 'ओ'रोमियो' की रिलीज ने सिनेमा प्रेमियों के उत्साह को दोगुना कर दिया है।

'जना नायकन' लीक होने पर भड़के मेकर्स, लीगल एक्शन को तैयार विजय की मोस्ट अवेटेड अंतिम फिल्म 'जना नायकन' की टीम ने फिल्म के ऑनलाइन लीक होने के बाद एक कानूनी नोटिस जारी किया है।

मेकर्स दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने वाले हैं 'जना नायकन' थलपति विजय की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है, क्योंकि राजनीति में पूरी तरह से उतरने से पहले यह उनकी आखिरी फिल्म है 'जना नायकन' को शुरू में 9 जनवरी को रिलीज करने का प्लान था, लेकिन सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) ने इसे सर्टिफिकेट, देने से मना कर दिया और दावा किया कि कुछ सीन सही नहीं हैं।

रणदीप हुड्डा ने अलग अंदाज में बताया बेटी का यूनिक नाम रणदीप हुड्डा और लिन बीते महीने बेबी गर्ल के पेरेंट्स बने थे। एक महीने बात ही दोनों ने बेटी के प्यारा नाम फैंस के साथ साझा किया इसके साथ ही बेटी की पहली झलक भी दुनिया को दिखा दी है रणदीप और लिन ने अपनी बेटी का यूनिक नाम रखा है। यह नाम न केवल सुनने में मॉडर्न और मधुर है, बल्कि इसका अर्थ भी बेहद गहरा है 'न्योमिका' का अर्थ दिव्य कृपा, स्वतंत्रता और आकाश की तरह असीम होता है।

शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की 'ओ'रोमियो' ओटीटी पर रिलीज

शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'ओ'रोमियो' आज ओटीटी पर रिलीज हो गई है फिल्म आज़ादी के बाद के मुंबई अंडरवर्ल्ड की एक डार्क लव स्टोरी है अन्य रिलीजः अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' भी आज सिनेमाघरों में रिलीज हुई है, जिसे 'भूल भुलैया' जैसा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

माधुरी दीक्षित का रियल एस्टेट गेम

माधुरी दीक्षित ने मुंबई के रियल एस्टेट मार्केट में हलचल मचा दी है। उन्होंने हाल ही में जुहू स्थित अपना अपार्टमेंट बेचकर मलाड में एक नया कमर्शियल वेंचर शुरू किया है। उनकी इस 'शार्प' बिजनेस स्ट्रेटेजी की काफी तारीफ हो रही है।

रश्मिका मंदाना 'स्पेशल 30' जन्मदिन! कूर्ग की गलियों में ताज़ा कीं बचपन की यादें, पति विजय देवरकोंडा संग मनाया पहला जन्मदिन

साउथ और बॉलीवुड की चहेती एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने अपना 30वां जन्मदिन बेहद सादगी और इमोशनल अंदाज में मनाया।

इस बार का जन्मदिन उनके लिए कई मायनों में खास था—पहला यह कि उन्होंने अपने जीवन के तीन दशक पूरे किए, और दूसरा यह कि शादी के बाद पति विजय देवरकोंडा के साथ यह उनका पहला जन्मदिन था।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

साउथ और बॉलीवुड की चहेती एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने अपना 30वां जन्मदिन बेहद सादगी और इमोशनल अंदाज में मनाया। इस बार का जन्मदिन उनके लिए कई मायनों में खास था–पहला यह कि उन्होंने अपने जीवन के तीन दशक पूरे किए, और दूसरा यह कि शादी के बाद पति विजय देवरकोंडा के साथ यह उनका पहला जन्मदिन था।

अपने होमटाउन कूर्ग लौटीं 'नेशनल क्रश'

रश्मिका ने इस खास मौके पर चकाचौंध से दूर अपने गृहनगर कूर्ग जाने का फैसला किया। उन्होंने विजय के साथ मिलकर उन जगहों की यात्रा की, जहाँ उनका बचपन बीता था।

स्कूल की यादें: रश्मिका अपने पुराने स्कूल गईं। समय की कमी के कारण उन्होंने इसे बाहर से ही देखा, लेकिन वह कुछ पल के लिए अपनी पुरानी यादों में खो गईं।
मंदिर में दर्शन: वह उस स्थानीय मंदिर में भी माथा टेकने गईं, जहाँ वह बचपन से अक्सर जाया करती थीं।

शादी के बाद परिवार संग खास डिनर

फरवरी 2024 में उदयपुर में हुई ग्रैंड वेडिंग के बाद रश्मिका अपने उन रिश्तेदारों से नहीं मिल पाई थीं, जो शादी में शामिल नहीं हो सके थे। जन्मदिन के बहाने उन्होंने एक छोटी सी डिनर पार्टी रखी, जहाँ उन्होंने अपने परिवार के बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। रश्मिका मंदाना ने लिखा 'मैंने उन लोगों के बीच केक काटा, जिनकी वजह से मैं आज जो कुछ भी हूँ, वो हूँ। वे लोग जिन्होंने मेरे जन्म से लेकर आज तक मुझे अपना प्यार दिया है। मेरी स्कूल की सहेलियाँ और वे दोस्त, जो अब परिवार बन चुके हैं... सब कुछ बहुत कीमती लग रहा है!'

वर्क फ्रंटः रश्मिका और विजय फिर दिखेंगे साथ

रश्मिका मंदाना का करियर इस समय बुलंदियों पर है। उनके पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं:

रणबालीः वह एक बार फिर अपने पति विजय देवरकोंडा के साथ बड़े पर्दे पर नज़र आएंगी।
कॉकटेल 2: बॉलीवुड सुपरस्टार शाहिद कपूर के साथ उनकी यह फिल्म काफी चर्चा में है।
मायसाः रविंद्र पुल्ले के निर्देशन में बन रही यह एक तेलुगु थ्रिलर फिल्म है।
द गर्लफ्रेंडः रश्मिका इस फिल्म में लीड भूमिका निभा रही हैं, जिसकी शूटिंग हाल ही में चर्चा में रही थी।